@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 19 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 133 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पालम की रामचौक मार्केट में आग से नौ लोगों की मौत

• हादसे में कई लोग झुलस गए हैं • जांच के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिले के पालम इलाके की रामचौक मार्केट स्थित एक बहुमंजिली इमारत में बुधवार सुबह लगी आग में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में तीन मासूम लड़कियां भी हैं। हादसे में कई लोग झुलस गए हैं। कइयों ने जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच मजिस्ट्रेट से कराने के आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि पालम स्थित बहुमंजिला आवासीय भवन में हुई भीषण अग्निकांड के बारे में जानकर अत्यंत व्यथित हूं। जिला प्रशासन, दिल्ली अग्निशमन विभाग और दिल्ली पुलिस बचाव अभियान जुटे हुए हैं। घटना की जांच मजिस्ट्रेट से कराने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार मृतकों में दो पुरुष प्रवेश (33) तथा कमल (39) और चार महिलाएं आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) तथा दीपिका (28) हैं। मृतकों में तीन नाबालिग लड़कियां भी हैं जिनकी

आयु 15 वर्ष, 6 वर्ष और 3 वर्ष है। सफदरजंग अस्पताल में 19 वर्षीय युवक को भर्ती कराया गया है, जो 25 प्रतिशत झुलस गया है। पुलिस के अनुसार, इस इमारत (डब्ल्यूजेड-124ए) के बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर कपड़ा और कॉस्मेटिक का शोरूम है। यह मार्केट प्रधान राजेंद्र कश्यप का बताया जा रहा है। दूसरी और तीसरी मंजिल पर उनका परिवार रहता है। आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई, जिससे अंदर मौजूद लोग फंस गए। सूचना पाते ही पालम विलेज थाने के एसएचओ समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।दमकल विभाग की 20 गाड़ियां और 11 एंबुलेंस भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक आग लगने के दौरान दो लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। दमकलकर्मियों ने अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। घटना की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। मौके पर पुलिस, दमकल, बीएसईएस, एयरफोर्स, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं।

पालम अग्निकांड पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक
मृतकों के आश्रितों को दो लाख के मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के पालम इलाके में बहुमंजिला इमारत में लगी आग की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि पालम में आग लगने की घटना दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि मृतकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री के इंदौर में आग लगने की घटना पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख के मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

नौ साल में बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बना उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ

• यूपी में नौ वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हो पाया : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन नौ वर्षों में जो भी परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन के सहयोग का प्रतिफल है। इन नौ साल में उत्तर प्रदेशा बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बन गया है।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर बुधवार को लोकभवन में'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर

योगी सरकार के नौ साल : नवनिर्माण के नौ साल थीम आधारित पुस्तिका का हुआ विमोचन

नवनिर्माण के नौ वर्ष शीर्षक से उपलब्धियों की एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही वसूली के लिए झोला लेकर महाभारत के सभी रिश्ते निकल पड़ते थे। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, महिलाओं के लिए, दलितों, वंचितों और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर किये गए कार्य ने यूपी को फिर से पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों तक राज्य में अलग अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगे के लिए हमारा विजन क्या होगा, इस पर भी चिन्तन करेंगे। नौ सालों में किये गए कार्यों को लेकर मंथन चिन्तन कर जनता के बीच जाएंगे। इन सभी मुद्दों पर नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चले। उन्होंने अपील की कि हम युवाओं, श्रमिकों, गरीबों, महिलाओं के बीच इन विषयों और चर्चा करें। कल से त्योहार है। हम में खुशी है। किसी प्रकार का डर नहीं है। बेहतर सुरक्षा की वजह से बड़ा बदलाव हुआ है। आज लोग नव वर्ष पर और त्योहारों पर मंदिरों में जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहली सरकार में 30 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। ट्रेनिंग के लिए हमारे पास केवल तीन हजार वाला ट्रेनिंग सेंटर ही था। केंद्र से भी बात की। लेकिन भर्ती नहीं हो पा रही थी। मामला कोर्ट में होने की वजह से रुकावट आ रही थी। हमने कहा कि न्यायालय का आदर करते हुए भर्ती पूरी की जाए। 30 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी। तीन वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी बटालियन का गठन किया है। हर जिले में एक एक साइबर थाना और हेल्प डेस्क है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता नहीं चलता है। आज उत्तर की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। गांव, तहसील,

जिला और प्रदेश मुख्यालय कनेक्ट किये गए हैं। देश का पहला रोपवे काशी में बन रहा है। आज यूपी में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश बना है। पहले कोई निवेशक नहीं आता था। 1947 से 2017 तक महज 14 हजार उद्योग थे। आज 31 हजार से अधिक उद्योग हैं। इसमें 65 लाख से अधिक लोग कम कर रहे हैं। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्य कर रही हैं।

योगी ने कहा कि पहले वाले मुख्यमंत्री नोएडा नहीं जाते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था। मुख्यमंत्री बनते ही मैं नोएडा गया। मैंने कहा कि कुर्सी रहे या जाए, मैं नोएडा जरूर जाऊंगा। आज नोएडा में फैक्ट्रियां लगी हैं। मोबाइल फोन नोएडा में बन रहे हैं। आज यूपी में 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग किया जा चुका है। आज कृषि का साढ़े आठ से बढ़कर 18 फीसदी ग्रोथ रेट है। तीन लाख 16 हजार 895 करोड़ किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। घटतौली बन्द हो गया है।

बंगाल विस चुनाव: निर्वाचन आयोग ने 13 जिलाधिकारियों का किया तबादला

'विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है।'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक मशीनरी में लगातार फेरबदल कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को आयोग ने राज्य के 13 जिलाधिकारियों का तबादला करते हुए उन्हें विभिन्न जिलों में जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन अधिकारी (डीएम/डीईओ) के रूप में नियुक्त किया है।

निर्वाचन आयोग की ओर से बुधवार को जारी आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। आयोग ने निर्देश दिया है कि सभी अधिकारी तत्काल प्रभाव से नई जिम्मेदारी संभालें और उनके पदभार ग्रहण करने की अनुपालन रिपोर्ट 19 मार्च को दोपहर तीन बजे तक भेजी जाए। आदेश के अनुसार जितिन यादव को कूचबिहार, संदीप घोष को जलपाईगुड़ी, विवेक कुमार को उत्तर दिनाजपुर और रजनीर सिंह कपूर को मालदा का डीएम/डीईओ बनाया गया

है। इसी तरह आर. अर्जुन को मुर्शिदाबाद, श्रीकांत पाली को नदिया, स्वेता अग्रवाल को पूर्व बर्दवान तथा स्मिता पांडेय को कोलकाता उत्तर का नगर आयुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा रणधीर कुमार को कोलकाता दक्षिण का जिला निर्वाचन अधिकारी, शिल्पा गौरिसारिया को उत्तर 24 परगना, अभिषेक कुमार तिवारी को दक्षिण 24 परगना, हरिशंकर पनिक्कर को दार्जिलिंग तथा टी. बालासुब्रमणियन को अलीपुरद्वार का डीएम-कम-डीईओ बनाया गया है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उन्हें तत्काल नई जिम्मेदारी संभालनी होगी। साथ ही जिन अधिकारियों को हटाया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा।

2022 तक नहरी पानी केवल 26.50 प्रतिशत खेतों तक पहुंच रहा था अब इसे 78 प्रतिशत खेतों तक पहुंचाया गया: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 18 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब की सिंचाई व्यवस्था में किए गए ऐतिहासिक बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मात्र चार सालों में मौसमी नदियों से 10,000 क्यूसेक पानी सुनिश्चित करके और बंद हो रही नहरी नेटवर्क को पुनर्जीवित करके राज्य के खेतों को भाखड़ा नहर के बराबर पानी की आपूर्ति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में नहरी सिंचाई से केवल 26.50 प्रतिशत सिंचाई हो रही थी, जो बढ़कर आज 78 प्रतिशत हो गई है। इसी के तहत 22 किलोमीटर लंबी सरहाली नहर के लंबे समय से बंद पड़े सिस्टम को पुनर्जीवित किया गया है, फिरोजपुर-सरहिंद फीडर के माध्यम से पानी की 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और आजादी के बाद पहली बार 1,446 गांवों तक नहरी पानी पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पिछले चार सालों में सिंचाई क्षेत्र में पंजाब सरकार द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा, अप्रैल 2022 से अब तक नहरों की लाइनिंग, मरम्मत, आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे की मजबूती पर 6,700 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जो पंजाब के इतिहास में अब तक किया गया सबसे अधिक खर्च है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नहरी पानी से लगभग 75.90 लाख एकड़ में सिंचाई की जा सकती है, जबकि मार्च 2022 तक केवल 20.89 लाख एकड़ को ही नहरी पानी मिल रहा था, जो महज 26.5 प्रतिशत ही बनता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा,

आज हमने नहरी पानी से सिंचाई के अंतर्गत रकबा लगभग 58 लाख एकड़ तक बढ़ा दिया है, जिससे नहरी पानी का उपयोग लगभग 78 प्रतिशत हो गया है। यह पहले के आंकड़ों से लगभग तीन गुना है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में उपलब्ध नहरी पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया है। जमीनी स्तर पर किए गए व्यापक कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हमने लगभग 13,000 किलोमीटर नहरों के निर्माण और मरम्मत के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिसके कारण नहरी पानी अब 58 लाख एकड़ रकबे तक पहुंच रहा है। इसके साथ लगभग 7,000 खालों को बहाल किया गया है। उन्होंने आगे कहा, कुल 15,539 नहरों की सफाई की गई है और 18,349 जल मार्गों को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे अब राज्य के दूर-दराज वाले खेतों तक भी नहरी पानी पहुंचाया गया है। ढांचागत पहलकदमियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार 545 किलोमीटर तक फैलीं 101 बंद पड़ी नहरों को पुनर्जीवित किया गया है। इनमें से बहुत सी नहरें 30 से 40 सालों से बंद थी और मिट्टी से भी भरी हुई थीं। हमने एक इंच जमीन पर कब्जा लिए बिना इन नहरों को बहाल किया है। उन्होंने आगे कहा कि केवल बरसाती नालों को पुनर्जीवित करने से 2.75 लाख एकड़ को नहरी सिंचाई के अंतर्गत लाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, पुरानी नहरी प्रणालियों को बहाल करके हमने यह सुनिश्चित किया है कि अब खेतों तक 10,000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी पहुंच रहा है। वास्तव में हमने बिना कोई जमीन प्राप्त किए नई 'भाखड़ा नहर' बना दी है। तरनतारन जिले की शानदार उदाहरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण 22 किलोमीटर लंबी सरहाली माइनर नहर पूरी तरह से लुप्त हो गई थी।

शेष पृष्ठ 3 पर

रायगढ़ जिले में कंटेनर कार पर पलटा, 3 लोगों की मौत, 5 घायल

मुंबई। मुंबई के पास रायगढ़ जिले के खोपोली में बुधवार को मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने के बाद एक अनियंत्रित कंटेनर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए एक कार पर पलट गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे से मुंबई की ओर जाने वाली लेन में खोपोली के पास नई टनल के समीप हुई। अचानक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कंटेनर ने रास्ते में चल रही कई गाड़ियों को टक्कर मार दी और अंततः एक कार के ऊपर पलट गया।घटना की सूचना मिलते ही खोपोली आईआरबी पेट्रोलिंग, देवदूत सिस्टम, बोरघाट हाईवे ट्रैफिक पुलिस, खोपोली पुलिस स्टेशन, डेल्टा फोर्स, महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स सहित अन्य राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है। चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं। आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है। डीईओ/आरओ स्तर पर किसी भी शिकायत/प्रश्न को दर्ज करने के लिए कॉल सेंटर नंबर +91 (एसटीडी कोड) 1950 भी उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि

• इससे पहले आम चुनाव और उपचुनावों के दौरान आयोग की निगरानी के लिए 832 विधानसभा क्षेत्रों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया था। इनमें 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सके।

डबल इंजन सरकार ने 9 वर्षों में सुरक्षा, विकास, रोजगार और सुशासन का नया मॉडल स्थापित किया: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 18 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में नव निर्माण के 9 वर्ष पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता था। प्रदेश में विकास के लिए कोई स्पष्ट विजन नहीं

था, जिसके कारण युवा वर्ग निराश होकर या तो पलायन करता था या संघर्ष में उलझा रहता था। सीएम योगी ने कहा कि आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले 9 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए हैं। कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाने का काम किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साथ ही प्रदेश की आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने के प्रयास भी लगातार जारी हैं, जिससे उत्तर प्रदेश आज एक नई पहचान के साथ देश और दुनिया में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 9 विषयों पर आधारित 9 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जो बसंत नवरात्रि से प्रारंभ हो रहा है। इसका उद्देश्य है कि यह जन-चर्चा का विषय बने और समाज के सभी वर्ग, युवा, किसान, श्रमिक, महिलाएं और गरीब इसमें सहभागी बनें। संवाद के माध्यम से न केवल बीते 9 वर्षों की उपलब्धियों को साझा किया जाएगा, बल्कि आने वाले समय के लिए विकास का विजन भी तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 9 एक शुभ अंक है, जो पूर्णता का प्रतीक है, और यह कार्यक्रम भी उसी पूर्णता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए लगभग 9 लाख 12 हजार करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है, जो उत्तर प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास को नई गति देगा। यह बजट प्रदेश को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश आज सुरक्षा, सुशासन और विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है और यह परिवर्तन आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक रूप में दिखाई देगा।

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटनाक्रम के अनुसार, जज प्रशांत कुमार बीती 16 मार्च 2026 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 1720 से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उन्हें भोजन परोसा गया, तो वह सड़ा हुआ था। जज का कहना है कि इस प्रकार का असुरक्षित भोजन यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। जब उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति से की, तो उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयरलाइन के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफ्यिान ने भी जज के साथ बदसलूकी की और उन्हें साक्ष्य के तौर पर फंगस लगा हुआ खाना फ्लाइट से बाहर ले जाने से जबरन रोक दिया। एनसीआर में जज ने मांग की है कि यात्रियों को दूषित भोजन परोसना और शिकायत करने पर उनके अधिकारों का हनन करना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में एफ्आईआर दर्ज कर गहन जांच करने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे विमान सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान की गुणवत्ता पर एक बार फ़िर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत का बड़ा दांव : रुस से तेल लेकर चीन जा रहा टैंकर... अचानक से भारत की ओर चल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में बीच छिड़े युद्ध के बाद तेल की संकट ने पूरी दुनिया को अपने गिरफ्त में ले लिया है। इस संकट के बीच भारत का दम दुनिया भर में दिख रहा है। बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से भारत के दो जहाज सही सलामत गैस लेकर गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचे थे। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। दरअसल दक्षिण चीन सागर में एक रूसी तेल से लदा टैंकर अचानक मुड़ गया। यह मूल रूप से चीन के रिजाओ बंदरगाह की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अब तेजी से भारत की ओर आ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने मौजूदा स्थिति में रूस से तेल आयात बढ़ाने का फैसला किया है। यह बदलाव ईरान में चल रही जंग के कारण मध्य पूर्व से तेल सप्लाई रुकने के बाद भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से जनवरी के अंत में उराल्स क्रूड ऑयल लोड करके निकला था। शुरू में इसका डेस्टिनेशन चीन का रिजाओ पोर्ट था। लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई पानी में पहुंचते ही टैंकर ने यू-टर्न ले लिया। अब यह 21 मार्च को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचने वाला है। डेटा के मुताबिक, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से बढ़ाने की छूट दी, ठीक उसी के कुछ दिन बाद यह बदलाव हुआ। इससे पहले भारत ने रूसी तेल कम खरीदना शुरू कर दिया था, जिससे कई कार्गो चीन की ओर चले गए थे। अब स्थिति बदल गई है।

गाजियाबाद मेयर का विवादित बयान...घरों में अधिक कार होने से बढ़ा रहा सड़कों पर ट्रैफिक

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले में ट्रैफिक जाम को लेकर मेयर सुनीता दयाल का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या का मुख्य कारण लोगों के बढ़ते जीवन स्तर और घरों में अधिक कारें होना है। मेयर ने बताया कि पहले एक घर में एक ही गाड़ी होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, इसकारण सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण केवल उपलब्ध जगह के अनुसार ही संभव है और लोगों के मकान तोड़कर सड़क बढ़ाना असंभव है। हालांकि, स्थानीय लोग तर्क से असहमत होकर कहते हैं कि शहर की कई मुख्य सड़कें अतिक्रमण की वजह से संकरी हो गई हैं। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अवैध कब्जे ट्रैफिक को और बाधित करते हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन, नगर निगम और विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। केवल लोगों के बढ़ते वाहन को दोष देना समस्या के वास्तविक कारणों से ध्यान हटाने जैसा है। शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा में काम करने वाले लोग नेशनल हाईवे-9 पर जाम का सामना करते हैं, जबकि मोहननगर मार्ग से दिल्ली जाने वाले लोग जीटी रोड पर लंबी कतारों में फंसते हैं। कार्यक्रम में हाउस टैक्स पर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू नहीं किया जाएगा और नगर निगम अधिकारियों को बढ़ी हुई दर पर बिल जारी करने से रोका गया है। बावजूद इसके, कई जगहों पर पहले ही बढ़ी हुई दर के बिल जारी किए जा चुके हैं। इस बयान ने गाजियाबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण पर बहस को और तेज कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, एक ग्रामीण की मौत, कई पुलिस वाले घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के असिया गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना तब हुई जब पुलिस पॉक्सो एक्ट के आरोपी भिखारी राय और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपी पक्ष ने शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव किया गया और कथित रूप से फायरिंग भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर गायघाट थानाध्यक्ष राजा सिंह ने आत्मरक्षा में गोली चलाने की बात कही है। इस घटना में ग्रामीण जगतवीर राय की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मृतक के परिजनों ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है कि जगतवीर राय को नजदीक से गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल भी रहा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सांसद टी राजा सिंह को फिर मिली जान से मरने की धमकी

हैदराबाद (एजेंसी)। गोशामहल विधानसभा के सांसद टी राजा सिंह को बुधवार को उनके आवास पर एक अज्ञात प्रेषक से जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि राजा सिंह, 27 मार्च को आपकी आखिरी रामनवमी होगी। तेलंगाना पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जनवरी में भी बीजेपी सांसद सिंह को इसी तरह का एक पत्र मिला था, जो कथित तौर पर अब्दुल हाफिज नाम के एक व्यक्ति ने भेजा था। पत्र में अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। बीजेपी नेता सिंह ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, आयुक्त और मुख्यमंत्री से बार-बार मिल रही धमकियों के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की अपील की है। सांसद सिंह ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार को पत्र लिखकर आगामी राम नवमी जुलूस के लिए पुलिस सुरक्षा देने से इंकार कर दिया। उन्होंने सुरक्षा से इंकार करने के कारणों के रूप में बार-बार उत्पीड़न, लाठीचार्ज और पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान टास्क फोर्स कर्मियों द्वारा बल प्रयोग का हवाला दिया। सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, सुरक्षा के बहाने तैनात पुलिसकर्मियों ने जुलूस को बाधित किया और कई बार श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज भी किया। उन्होंने अनीता टावर्स, पुराना पुल, बेगम बाजार छतरी और सिद्दीअंबर बाजार मस्जिद के पास हुई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे श्रद्धालुओं में भय और तनाव का माहौल बना।

क्या गंगा नदी में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते... अखिलेश ने उठाए सवाल

-5-स्टार जहाज को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। काशी में गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार करने वाले मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी पर सियासत शुरू हो चुकी है। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पूछा है कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते? डीएम, एसपी और एसओ को इफ्तारी देनी चाहिए थी। हथेली गरम....तब पुलिस नरम। उन लोगों ने हथेली गरम नहीं की होगी, इसकारण उन पर कार्रवाई हुई। इस दौरान अखिलेश का इशारा रिश्वत की तरफ था।

वहीं कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। उन्होंने लिखा कि पुलिस मुसलमानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए उतावली दिख रही है। युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया। नरेन्द्र मोदी जी क्या यही है सबका साथ, सबका विकास का नारा। जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि गंगा की पवित्रता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दरअसल, बनारस में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी हुई थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। लखनऊ में इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश ने कहा कि ये सब हमारे-आपके बीच में दूरियां पैदा करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी कार्रवाई कर यूपी सरकार को खुश करने के लिए कर रहा। एक 5-स्टार जहाज चला था। उसमें महंगी-महंगी शराब थी। उसके टॉयलेट का वेस्ट गंगा में जा रहा था। उस जहाज के मालिक पर क्या कार्रवाई हुई? उस समय जो गड्ढे खोदकर छोड़ गए थे, उसकी गंदगी गंगा में पहुंची। उस पर क्या एक्शन हुआ?

उत्तराखंड में धामी सरकार 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना में

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में धामी सरकार राज्यभर में 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। करीब 160.75 किलोमीटर लंबे इस मास्टरप्लान के तहत पहाड़ों के कई धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोपवे से जोड़ने की तैयारी है। इन 51 में से 2 रोपवे प्रोजेक्ट्स पर फिलहाल काम तेजी से काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब सहित 4 मेगा रोपवे प्रोजेक्ट्स पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इसके अलावा कई अन्य रोपवे प्रोजेक्ट्स फिलहाल डीपीआर और प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के चरण में हैं, जिन पर उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड (यूआरडीएल) के जरिए आगे की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित नेटवर्क में सबसे ज्यादा रोपवे पौड़ी जिले में बनने का प्लान है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर

निदेशक दीपक खंडूरी के मुताबिक रोपवे उन स्थानों तक पहुंच का बेहतर विकल्प हैं जहां सड़क बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से तीर्थ यात्रियों की यात्रा आसान होगी और लोकल स्तर पर पर्यटन व रोजगार के नए अवसर भी बढ़ने है। उन्होंने बताया कि देहरादून के पुरकुल से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनने वाला यह रोपवे राज्य के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में शामिल है। करीब 285 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें 10 यात्रियों की क्षमता वाले 71 केबिन लगाए जाएंगे और देहरादून से मसूरी तक का सफर करीब 20 मिनट में पूरा होगा। इस साल के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं चंपावत जिले में पूर्णागिरी मंदिर तक पहुंच आसान बनाने के लिए यह रोपवे बनाया जा रहा है। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना का निर्माण कार्य जारी है। इस 30 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक खंडूरी ने इन परियोजनाओं के दूरगामी फायदों पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार रोपवे के माध्यम से उन दुर्गम पहाड़ियों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जहां सड़क मार्ग बनाना भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से कठिन है। केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे कठिन ट्रेक वाले स्थानों पर बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर मिलेगा। पहाड़ों पर वाहनों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

त्यागी के इस्तीफे पर राजद सांसद का दावा...देखते जाइए जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक ओर राज्यसभा जा रहे हैं। दूसरी ओर उनके पुराने साथ रहे केसी त्यागी ने भी जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। 22 मार्च को वे बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करने वाले है। इस बीच आरजेडी के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। बीते दिनों सांसद यादव जहानाबाद में विधायक राहुल कुमार की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कहा कि त्यागी उम्र और रिश्ते में बड़े हैं, इसलिए उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली है। आरजेडी सांसद ने दावा कर कहा कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए, जेडीयू में भगदड़ मचेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तब मैं खुद सांसद पद से इस्तीफा देकर राजनीति भी छोड़ दूंगा। सांसद यादव ने कहा कि एनडीए के 25 साल के शासन के बावजूद बिहार में आज भी असली जंगलराज बरकरार है। यह डर पैदा करने वालों का राज है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जंगलराज के नाम पर ही चुनाव जीतने की रणनीति बना चुके हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं। आरजेडी सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में 11 साल से सरकार होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक प्रेसवार्ता क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनता के बीच आकर सीधे सवालों का जवाब देना चाहिए।

कांशीराम को भारत रत्न की मांग पर गरमाई यूपी की सियासत, मायावती ने कांग्रेस-सपा को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच दलित मतों को साधने की होड़ में विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में 15 मार्च को कांशीराम की 93वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की, जिसने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दलितों के उत्थान में कांशीराम के योगदान को रेखांकित किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस की इस पहल पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। मायावती ने राहुल गांधी की मांग को बेतुका करार देते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने कांशीराम को सम्मानित क्यों नहीं

किया? उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को दलित विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल चुनावों के वक्त बहुजन नायकों को याद करते हैं।

मायावती ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस के पास अब अपने कोई महान नेता नहीं बचे हैं, इसलिए वे बसपा के महापुरुषों के नाम पर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब कांशीराम जीवित थे, तब इन्हीं पार्टियों ने उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि अखिलेश यादव द्वारा हर जिले में कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना महज एक अवसरवादी कदम है। मायावती के अनुसार, बसपा शासनकाल में कांशीराम के सम्मान में किए गए कार्यों को सपा सरकार ने ही पलटने का काम किया था। सत्ता पक्ष की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को कांशीराम की याद क्यों नहीं आई? दूसरी ओर, मायावती ने अपने समर्थकों को आगाह करते हुए कहा कि ये पार्टियां बसपा को खत्म करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने चमचा युग पुस्तक का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों के साथ जुड़े दलित नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उत्तर प्रदेश में एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांशीराम के सम्मान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने के आसार हैं।

रिटायर्ड अफसर को दस दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.05 करोड़ रुपए भी ठगे

खुद को सीबीआई अधिकारी बता मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने और गिरफ्तार करने की दी धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। देश में साइबर क्राइम दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं और लोगों की महनत की कमाई ठग बड़ी चालाकी से अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई के दादर इलाके से सामने आया यहां एक बुजुर्ग नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके उससे 1.05 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त अधिकारी श्रेयष परलकर (71) से ठगों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर मानसिक दबाव और डर दिखाकर ठगी को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित के मुताबिक 4 मार्च को उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई के दिल्ली मुख्यालय का अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिसका इस्तेमाल अवैध मैसेज और उत्पीड़न के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को फर्जी सीबीआई अधिकारियों के पास ट्रांसफर किया। अलग-अलग लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने और गिरफ्तार करने की धमकी दी। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी कोर्ट ऑर्डर, अरेस्ट वारंट और सरकारी लेटरहेड तक व्हाट्सऐप पर भेजे। रिपोर्ट के मुताबिक ठगों ने पीड़ित को यह कहकर डिजिटल अरेस्ट किया कि वह जांच के दायरे में हैं और कहीं बाहर संपर्क नहीं कर सकते। उन्हें एक मैसेजिंग ऐप डाउनलोड कराकर हर दो घंटे में मैं सुरक्षित हूं जैसी रिपोर्ट भेजने को कहा। इस दौरान उन्हें बार-बार डराया गया और सहयोग न करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई। ठगों ने पीड़ित से उनकी बैंक डिटेल, निवेश और बचत की पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 6 मार्च से 12 मार्च के बीच पीड़ित ने चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.05 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 15 मार्च को पीड़ित के बेटे ने उनका मोबाइल चेक किया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों और संबंधित बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है।

यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन बिंदुओं में से एक बना हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चिंता का विषय बन जाती है।

बात दें कि नौसेना 2019 से समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के हिस्से के रूप में, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी सहित आस-पास के जलक्षेत्रों में अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है। यह नवीनतम तैनाती उन प्रयासों को आगे बढ़ाती है, और बढ़ते तनाव के बीच

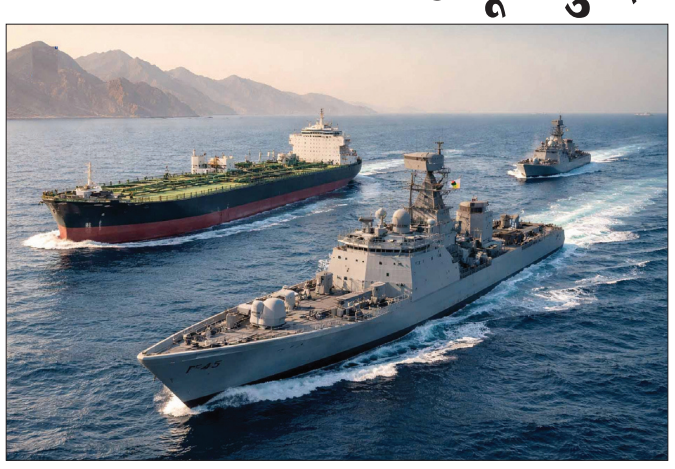

नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करती है।

2022 तक नहरी पानी केवल 26.50 प्रतिशत खेतों तक पहुंच रहा था, अब इसे 78 प्रतिशत खेतों तक पहुंचाया गया: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

जब हमारे इंजीनियरों ने काम शुरू किया तो उन्होंने नहर को जमीनदोज पाया। स्थानीय लोग भी इसकी अस्तित्व को भूल गए थे। आज हमने इसे पुनर्जीवित किया और पूरी तरह कार्यशील कर दिया है। मुख्य नहरी प्रणालियों को मजबूत करने के बारे में उन्होंने कहा, फिरोजपुर फीडर नहर, जो वास्तव में 1952 में बनाई गई थी, को रिकॉर्ड 35 दिनों में अपग्रेड किया गया था, जिससे इसकी क्षमता में 2,682 क्यूसेक की वृद्धि हुई है। इसी तरह मालवा की जीवन रेखा मानी जाने वाली सरहिंद नहर, जिसे 1950 के आसपास बनाया गया था, को 75 साल बाद अपग्रेड किया गया है, जिससे इसकी क्षमता में 2,844 क्यूसेक की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा, सरहिंद और पटियाला जैसी बड़ी नहरों की लाइनिंग करके, हमने पानी की उपलब्धता में लगभग 1.5 एमएएफ की वृद्धि की है और यह सुनिश्चित किया है कि राज्य के दूर-दराज के खेतों को भी अब पानी की कमी का सामना न करना पड़े। किसानों को लंबे समय से परेशान करने वाली समस्याओं के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले नहरों में पानी रोटेशनल आधार पर आपूर्ति किया जाता था, जिससे किसानों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। पहली बार हमने इस प्रणाली को खत्म कर दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को हर रोज पानी मिले। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने पानी की बराबर वितरण सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर हरिके पत्तन की ओर नहरों को उल्टी दिशा में चलाया। कंडी क्षेत्र के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, होशियारपुर में कंडी नहर, जो लगभग 40 सालों से बंद पड़ी थी, को अब पुन: बहाल किया गया है। इलाके के लोग पानी की असली कीमत समझते हैं और इस नहर की पुनर्बहाली से उन्हें बहुत राहत मिली है। उन्होंने आगे कहा कि नहरी ढांचे के विस्तार के कारण आजादी के बाद अब पहली बार लगभग 1400 गांवों को नहरी पानी मिल रहा है। इनमें से बहुत से गांवों ने 20–50 सालों से नहरी पानी नहीं देखा था। उन्होंने यह भी बताया कि चीमा माइनर, फिरोज़पुर माइनर, करमगढ़ लिंक, राजपुरा, पात्रां, घग्गर और कोटला जैसी नई नहरी प्रणालियों ने क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बुनियादी ढांचे के विस्तार के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने कई जिलों में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 8 नई नहरें बनाई हैं और 18 पंप सिस्टम चालू किए हैं। प्रशासकीय सुधारों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, कुशलता में सुधार लाने के लिए हमने फतेहगढ़ नहर डिवीजन और तरनतारन नहर डिवीजन जैसे समर्पित नहरी पानी और भूजल डिवीजन तैयार किए हैं और जवाबदेही तथा तुरंत अमल सुनिश्चित करने के लिए स्थायी तौर पर अधिकारी तैनात किए गए हैं। भूजल संरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारी कोशिशों के कारण भूजल पर निर्भरता काफी हद तक कम की गई है। गुरदासपुर के एक गांव में भूजल की निकासी 61.48 प्रतिशत से घटकर लगभग 31 प्रतिशत हो गई है, जो एक शानदार उपलब्धि है। इससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का उद्देश्य सतही पानी (सर्फेस वाटर) के उपयोग को और बढ़ाना तथा भूजल स्रोतों पर निर्भरता कम करना है। आपदा प्रबंधन और पर्यावरण बहाली के बारे में उन्होंने कहा कि बाढ़ की रोकथाम और पानी प्रबंधन के उद्देश्य से 195 कार्यों के लिए राज्य आपदा राहत कोष से 477 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हमने 199 डी-सिल्टिंग साइटों की पहचान की है और जंगी स्तर पर नालों की सफाई के लिए नई चेन-माउंटेड मशीनें तैनात की हैं। उन्होंने आगे कहा, सतलुज, रावी और घग्गर जैसी नदियों से गाद निकालने का काम चल रहा है और इसके तहत 245 मिलियन घन फुट गाद निकालने का लक्ष्य है, जिसमें से महत्वपूर्ण प्रगति पहले ही हो चुकी है। इसके अलावा बाढ़ के नुकसान को रोकने के लिए 206 किलोमीटर नदी तटबंधों को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, अवैध कब्जों को रोकने और जान-माल की रक्षा के लिए, पंजाब नहर और ड्रेनेज एक्ट, 2023 के तहत 850 में से 849 नालों को नोटिफाई किया गया है। लंबे समय से रुके बुनियादी ढांचे संबंधी प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, शाहपुर कंडी डैम प्रोजेक्ट, जो 25 सालों से अधिक समय से लटका हुआ था, अब 3394.49 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हो गया है। इससे रणजीत सागर डैम की क्षमता बढ़ेगी और पाकिस्तान के इलाके में बहने वाले हमारे पानी पर रोक लगेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मजबूत स्टैंड लेते हुए कहा, जिन्होंने पंजाब के पानी के रक्षक होने का दावा किया था, उन्होंने ही हमारे पानी को तबाह कर दिया। हमने अपने पानी और सिस्टम दोनों को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा, नहरी पानी में आवश्यक खनिज होते हैं और इसकी बढ़ती उपलब्धता फसली उत्पादकता में महत्वपूर्ण सुधार लाएगी। किसान खुश हैं क्योंकि बहुत से लोगों को पहली बार अपने खेतों में नहरी पानी मिला है। पंजाब की आध्यात्मिक भावना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, हम अपने गुरुओं के महान संदेश 'पवणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु।' से प्रेरणा लेते हैं और हम अपने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिंचाई विभाग को राजस्व उत्पन्न करने वाले मॉडल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने पर्यटन को प्रोत्साहित करने और राजस्व उत्पन्न करने के लिए बोटिंग सुविधाएं, आराम घर, हेडवर्क्स और अन्य बुनियादी ढांचे सहित 26 पर्यटन स्थल विकसित किए हैं। इस मौके जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल और अन्य व्यक्तित्व भी मौजूद थे।

मसूरी से छह लोग देश विरोधी गतिविधियों में गिरफ्तार

गाजियाबाद। पुलिस, एटीएस और आईबी की टीम ने गुरुवार को गाजियाबाद के मसूरी स्थित नाहल गांव से छह लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में शावेज (20), जुनैद (23), फरदीन (22), इकराम (36), फजलू (48) और जावेद (45) शामिल हैं। लोनी में यूट्यूबर सलीम स्वास्तिक पर हुए हमले के बाद पुलिस की चौकसी बढ़ाई गई थी। इसी दौरान पता चला कि नाहल के ये छह व्यक्ति देश विरोधी भड़काऊ जानकारी फैला रहे थे। आरोपियों से मसूरी थाने में गहन पूछताछ की जा रही है। गांव में भी भारी पुलिसबल तैनात किया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। अधिकारियों के स्तर पर इस पूरे मामले की निगरानी की जा रही है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास को भी खंगाल रही है। उनकी कॉल जानकारी पर भी पुलिस की टीम काम कर रही है। आईबी को यह इनपुट मिला है कि ये लोग लोनी के सलीम वास्तिक पर हमला करने वालों के संपर्क में थे। आरोप है कि गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्ति देश विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। ये लोग इंटरनेट और अन्य माध्यमों से देश विरोधी भड़काऊ जानकारी प्रसारित कर रहे थे। उन्होंने अपना एक अलग समूह भी बनाया हुआ था। इस समूह के माध्यम से वे अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। लोनी में हुए हमले के बाद बढ़ी चौकसी ने इन लोगों का भंडाफोड़ किया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। आरोपियों से मसूरी थाने में पूछताछ जारी है, जिसमें और खुलासे होने की उम्मीद है। गांव में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। अधिकारियों द्वारा मामले की लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस टीम आरोपियों की कॉल जानकारी और आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है ताकि उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

छह साल की मासूम से पिता कर रहा था अश्लील हरकत

नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके में एक शख्स अपनी छह साल की बेटी के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। मासूम इलाज के लिए डॉक्टर के पास गई तो उसने डॉक्टर को सारी बात बताई। डॉक्टर ने ही अस्पताल से पुलिस को खबर दी। बाद में पुलिस ने मासूम से बातचीत के बाद पिता पर प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। पुलिस के मुताबिक मासूम परिवार के साथ बुराड़ी इलाके में रहती हैं।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती होने के चार दिन बाद मिला युवक का शव

नई दिल्ली। रेवाड़ी हरियाणा के रहने वाले 61 साल के तेजपाल अपने जवान बेटे के नशे की आदत से परेशान थे। बेटा भी अपनी लत को छोड़ना चाहता था। नशा मुक्ति केंद्र में बेटे को भर्ती कराते समय पिता को इस बात का तनिक भी आभास नहीं था कि ये कदम उनके बेटे के लिए जानलेवा साबित होगा। आईएमटी मानेसर में चाय का खोखा लगाकर परिवार चलाने वाले तेजपाल ने दीवार पर ढिचाऊं गांव के नशा मुक्ति केंद्र का विज्ञापन देखकर उसे वहां भर्ती करा दिया। पीड़ित ने बताया कि चौथे दिन ही अस्पताल से बेटे की मौत की सूचना मिली। डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम के रिपोर्ट में उसकी पिटाई से मौत की बात सामने आई। बाबा हरिदास नगर थाना पुलिस ने केंद्र के मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के मुताबिक तेजपाल मूलत: रेवाड़ी हरियाणा के गढ़ी अलावलपुर के रहने वाले हैं। परिवार में उनकी पत्नी सुनरो देवी, बहू और उसके तीन बच्चे और 27 साल के बेटे ऋषिपाल के साथ रहते थे। वह मानेसर के आईएमटी के पास चाय बेचते हैं। बाबा हरिदास नगर थाना में दर्ज प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि उनका बेटा ऋषिपाल शराब पीने का आदी था, जिसको लेकर पूरा परिवार परेशान था। बेटा भी लत से परेशान था, वह बीच बीच में शराब पीना बंद कर देता था, लेकिन बाद में शुरू कर देता था। तेजपाल ने बताया कि वह अपने गांव के एक मकान पर ढिचाऊं गांव स्थित नशा मुक्ति केंद्र का विज्ञापन देखा। एक दिन उन्होंने विज्ञापन में दिए नंबर पर संपर्क किया। उनकी बात अनुज से हुई, जिसने केंद्र चलाने और कई लोगों को नशा छुड़ाने की बात कही। उसने एक हजार रुपये फीस और आठ हजार रुपये महीना देने की बात कही। उसने दो माह में नशा छुड़ाने का दावा किया। 3 दिसंबर को उन्होंने चाय के खोखे से अनुज को फोन किया। लोकेशन लेकर अनुज अपने एक साथी के साथ कार से वहां पहुंचा। उसने नशा छुड़ाने का दावा कर एक वीडियो दिखाया और बताया कि यह उसके केंद्र का वीडियो है। यहां डॉक्टर, काउंसलर और मेडिटेशन करवाया जाता है। केंद्र बड़ा और सुंदर दिख रहा था। उसकी बातों पर विश्वास कर उसने अपने बेटे को केंद्र में भर्ती के लिए अनुज को एक हजार रुपये फीस और तीन हजार रुपये दे दिए। वह ऋषिपाल को लेकर कार से चला गया। तेजपाल ने बताया कि बेटे के जाने के बाद वह लगातार तीन दिन तक बेटे से बात करने की कोशिश की, लेकिन हर बार अनुज ने बेटे के ठीक होने की बात कही। सात दिसंबर की सुबह भी उसने बेटे के ठीक होने की बात कही। शाम में उसके एक परिचित के पास फोन कर अनुज ने ऋषिपाल की मौत होने की बात कही और बताया कि उसका शव राव तुलाराम अस्पताल में है। वहां पहुंचने पर उनलोगों ने देखा कि उसका शव स्ट्रेचर पर रखा था। उसके शरीर पर काफी चोट के निशान थे। अनुज से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसने बात नहीं की। बाद में पता चला कि एक छोटे से कमरे में केंद्र चलता था, वहां कोई डॉक्टर नहीं आता था। पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। 10 दिसंबर को उसके शव का पोस्टमार्टम हुआ। 19 दिसंबर को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आया। जिसमें चोट की वजह से उसकी मौत की बात सामने आई। इसके आधार पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया। मामले की छानबीन करने के बाद पुलिस ने केंद्र चलाने वाले अनुज को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि वह बिना लाइसेंस के नशा मुक्ति केंद्र चला रहा था। उसके साथ एक अन्य सहयोगी भी था। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस आरोपी के भागे हुए साथी की तलाश कर रही है।

गैस सिलिंडर की बुकिंग के लिए एजेंसियों ने बदला समय

आगरा। गैस सिलिंडर की बुकिंग करानी है तो सुबह पांच बजे जागें, क्योंकि सुबह 5 से 7 और रात में 8 से 12 बजे तक ही फोन से बुकिंग होगी। सुबह 7 से रात 8 बजे तक करीब 13 घंटे बुकिंग बंद रहेगी। बुकिंग भी सिर्फ उन्हीं उपभोक्ताओं की होगी, जिन्हें पिछले सिलिंडर की डिलीवरी लिए 25 दिन से अधिक हो चुके हैं। गैस संकट के बीच ऐसे नोटिस एजेंसियों पर चस्पा कर दिए गए हैं। इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस कंपनी उपभोक्ताओं के सिलिंडर की बुकिंग रजिस्टर्ड कॉल के माध्यम से करती हैं लेकिन, होली के बाद एक तरफ बुकिंग की अवधि बढ़ा दी गई है तो दूसरी ओर गैस किल्लत के बीच तीन दिन से सर्वर फेल है। बुकिंग नहीं होने के कारण उपभोक्ता खाली सिलिंडर लेकर एजेंसी से गोदाम तक दौड़ रहे हैं। उन्हें गैस नहीं मिल रही हैं। बुधवार को हजारों उपभोक्ता बुकिंग नहीं होने पर एजेंसी और गोदाम पर सिलिंडर के लिए भटकते नजर आए। ऐसे में अब समय निर्धारित किए जाने से परेशानी और बढ़ सकती है। शहर में 50 हजार से अधिक एलपीजी गैस सिलिंडर उपभोक्ता परेशान हैं। घर में गैस नहीं होने से चाय, नाश्ता से लेकर सुबह और रात का खाना बनाने के लिए परेशान हैं। जिले में 13 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं। इनमें करीब एक लाख उपभोक्ताओं की बुकिंग अधर में फंस गई है। वहीं, एक लाख से अधिक उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने केवाईसी नहीं कराई है, वो भी परेशान हैं। आईओसी जिला नोडल अधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि जिले में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। गोदाम भरे हुए हैं। लोग अनावश्यक बुकिंग करा रहे हैं। इसके कारण सर्वर प्रभावित हो रहा है। इससे सिलिंडर आपूर्ति में भी दिक्कत आ रही है। अनावश्यक बुकिंग से बचें। ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विपुल पुरोहित ने कहा कि सर्वर की दिक्कत से बुकिंग नंबर और कंप्यूटर कार्य नहीं कर रहे हैं। बुकिंग के बाद 24 घंटे में सिलिंडर की आपूर्ति कर रहे हैं। बुकिंग के बाद डीएसी नंबर मिलता है, ये नहीं होने पर सिलिंडर आपूर्ति नहीं कर सकते हैं। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष सिकरवार ने बताया कि सर्वर की दिक्कत के कारण गैस एजेंसी का बुकिंग नंबर कार्य नहीं कर रहा है। इस कारण लोग एजेंसी पर आ रहे हैं। यहां भी यहीं दिक्कत हो रही है। सिलिंडर की कमी नहीं है। बुकिंग न होने से परेशानी बढ़ रही है।

नोएडा सेक्टर-4 की एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग

नोएडा। थाना फेस 1 क्षेत्रान्तर्गत बी 40 सेक्टर 4 में आज सुबह आग लगने की घटना हुई। सेक्टर चार स्थित कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड कंपनी में भीषण आग लग गई। यह कंपनी बिजली मीटर बनाने का कार्य करती है। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। सुबह अचानक आग लगने की सूचना मिली। स्थानीय पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल मौके पर पहुंची। आग बुझाने का कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया गया। बचाव व राहत कार्य तेजी से जारी है। इस घटना में 37 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के उच्चाधिकारी और गौतमबुद्धनगर के सीएफओ भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। वे स्थिति का जायजा ले रहे थे। राहत कार्यों का समन्वय भी किया गया। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कंपनी के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला जा रहा है।

NAME CHANGE
I, SWEETY W/o KAPIL KUMAR R/o Kuri, PO: Atrara, Dist: Meerut, Uttar Pradesh-245206, have changed the name of my minor Daughter MISHTI alias MADHVI aged 09 Years and She shall hereafter be known as MADHVI.

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल बिजेंदर पुत्र श्री सुजन सिंह पता मकान न RC-539, आदर्श नगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201001 अथवा मकान न. 23/ ब्लाक ष्ट गली न. 14 क्रिश्चियन नगर बगू गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201009, अपने पुत्र प्रदीप सिंह व उसकी पत्नी दुर्गेश को उनके बुरे व्यहवार के कारण से अपनी अचल व चल संपत्ति से बेदखल कर रहे है। भविष्य में इनसे मेरे मुवक्किल की किसी भी तरह का कोई लेना देना नहीं होगा और ना ही इनके किसी कार्य की जिम्मेदारी मेरे मुवक्किल की होगी। इनके द्वारा किये गए किसी भी कार्य के स्वंम जिम्मेदार होंगे।
DR. RADHA PARIHAR & ASSOCIATES Advocates
CH.NO D-603
KARKARDOOMA COURT
DELHI-110032

NAME CHANGE
I, hitherto known as KM PREETI SINGH D/O PADAM SINGH R/O FLAT NO-01 MIG PLOT-166, BLOCK-C, SHALIMAR GARDEN EXTN-II, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as PREETI SINGH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KRISHNA SHARMA S/O RAJAN SHARMA R/O D-194, GALI NO-5 NEAR HAPPY TIME PUBLIC SHOOL BHAJAN PURA, GARHI MENDU, PO-BHAJAN PURA, DIST-NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, declare that name of my mother has been wrongly written as LAKSHMI SHARMA in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is LAXMI SHARMA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AMIT SHARMA S/O JAGDISH PRASAD SHARMA R/O 168, PART-I, PALAM EXTN, OPP. SBI BANK, HARIJAN BASTI PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, declare that name of my father has been wrongly written as JAGDISH SHARMA in my Aadhaar Card-628920459829 and Voter ID card-TGI0989673. And the name of my father has been wrongly written as J P SHARMA in my driving license-DL0920050022618. The actual name of my father is JAGDISH PRASAD SHARMA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as JYOTI VATS alias JYOTI SHARMA D/O RAM KUMAR SHARMA W/O AMIT SHARMA R/O 168, PALAM EXTN PART-I, SEC-07, DWARKA, PALAM, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed my name and shall hereafter be known as JYOTI SHARMA.

NAME CHANGE
I, K. TULASI DEVI is legally wedded wife of GO No. 004428K, Rank-AEE (Civ), Name Shri T MALLESWARA RAO R/O HNO.41-8/3-1/1, KOTTU SUBBARAO STREET, NEAR FIRE STATION, KRISHNALANKA, VIJYAYAWADA, ANDHRA PRADESH-520013,have changed my name from K. TULASI DEVI to TADEPALLI TULASI DEVI for all future purposes. Vide affidavit dated 18.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Bindresh devi W/o Rajendra Singh R/o D-241, Govindpuram, Govindpuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013 have changed my name and shall hereafter be known as Bindresh.

NAME CHANGE
I, Munesh Devi W/o Shrinivas R/o 273, Sangam Vihar, Loni Dehat, Loni Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as Mukesh Devi

NAME CHANGE
I, DEEPAK ARORA S/O HARISH ARORA R/O F-183, 17th Floor, Tower -F, Gulshan Ikebana, Noida,Sector-143,Dist Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed name of my minor Son namely RISHAV ARORA aged 10 years and he shall hereafter be known as RISHABH ARORA.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री दीपक के मामले में, फाइल संख्या GHA-PRO-001164 के अनुसार, दिनांक 18.10.2025 को द सिख टाइम्स (अंग्रेजी, पृष्ठ संख्या 3) और क़ौमी पत्रिका (हिंदी, पृष्ठ संख्या 3) में प्रकाशित समाचार पत्रों में अनजाने में हुई चूक के कारण मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड के स्थान पर पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का नाम लिख दिया गया था। यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त प्रकाशनों को केवल मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड के संदर्भ में ही पढ़ा और समझा जाना चाहिए। त्रुटि के लिए हमें खेद है।
ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता: आरजेड-29, ऊपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड, द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर: +91- 9340118309

NAME CHANGE
I, SUVARNA Mother of No-2617228W Rank-HAV Name-HOSUR MALLIKARJUN BHIMAPPA residing at VPO-SHURPALI, TEHSIL-JAMKHANDI, DIS-BAGALKOT, KARNATAKA-587119, have changed my name from SUVARNA to SUVARNA HOSUR for all future purposes vide Affidavit dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BHIMAPPA Father of No-2617228W Rank-HAV Name-HOSUR MALLIKARJUN BHIMAPPA residing at VPO-SHURPALI, TEHSIL-JAMKHANDI, DIS-BAGALKOT, KARNATAKA-587119, have changed my name from BHIMAPPA to BHIMAPPA HOSUR for all future purposes vide Affidavit Dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, REENA THOMAS wife of JC-442268M Rank-SUB Name-BINU PT residing at HOUSE-PLAVILA-PADINJATTATHIL, MARUTHAMONPALLY, VILL & PO-POOYAPPALLY, DIST-KOLLAM, KERALA-691537, have changed my name from REENA THOMAS to REENA T for all future purposes vide Affidavit dated 05/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MARIKUTTY Mother of JC-442268M Rank-SUB Name-BINU PT residing at HOUSE-PLAVILA-PADINJATTATHIL, MARUTHAMONPALLY, VILL & PO-POOYAPPALLY, DIST-KOLLAM, KERALA-691537, have changed my name from MARIKUTTY to MARY KUTTY for all future purposes vide Affidavit dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, THANKACHAN PO Father of JC-442268M Rank-SUB Name-BINU PT residing at HOUSE-PLAVILA-PADINJATTATHIL, MARUTHAMONPALLY, VILL & PO-POOYAPPALLY, DIST-KOLLAM, KERALA-691537, have changed my name from THANKACHAN PO to THANKACHAN for all future purposes vide Affidavit Dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I RAVINDER KUMAR S/O CHANDER PAL R/O 44 BHUAPUR (102) FARIDABAD HARYANA 121101 HAVE CHANGED MY NAME TO RAVINDER NAGAR

NAME CHANGE
I CHANDER KUMAR S/O KHACHEDU R/O 44 BHUAPUR (102) FARIDABAD BHUVAPUR HARYANA 121101 HAVE CHANGED MY NAME TO CHANDER PAL

NAME CHANGE
I, Khushi Tiwari D/O Neeraj Tiwari R/O 271, Engineers Colony, Quarsi By Pass Road, Koil, Aligarh, Uttar Pradesh - 202001 Have changed my name to Tanisha Tiwari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ritu Tiwari W/O Neeraj Tiwari R/O 271, Engineers Colony, Quarsi By Pass Road, Koil, Aligarh, Up-202001 Have changed my name to Ritoo Tiwari for all future purposes.

NAME CHANGE
I Surender Solanki S/O Dalip Singh, WZ-306, Chhotial Mohalla, Jaat Choupal, Palam Village, PO: Palam Village, DIST: South West Delhi, Delhi-110045 have changed my name to Surender Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I Laxmi narain S/O: Murari Lal, R/O B-983, Shastri Nagar, Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, DIST: North West Delhi, Delhi-110052,declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Laxman and Yashoda in my minor son Nitin aged 17 years in his birth certificate no MCDOLIR -2208-003179347.The actual name of mine and my wife are Laxmi Narain and Yasoda, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUMIT KUMAR SEHRAWAT S/O SATYABIR SINGH SEHRAWAT R/O H.NO-168,CHAUDHAR MOHALLA RANGPURI,PO-MAHIPALPUR, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110037, HAVE CHANGED MY NAME TO SUMIT SEHRAWAT FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, LAKHBIR / LAKHBIR SINGH S/O PRITAM SINGH R/O RZ-F-238,RAJ NAGAR PART-II, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110077, HAVE CHANGED MY NAME TO LAKHBIR SINGH RANDHAWA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,BABITA DHAMA W/O UDAY SING DHAMA R/O M-542,BLOCK-M-11,ASHIANA AANGAN, BHIWADI, ALWAR, RAJASTHAN-301019, HAVE CHANGED MY NAME TO BABITA BHATI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, RAJBIR KAUR W/O LAKHBIR SINGH RANDHAWA R/O RZ-F-238,RAJ NAGAR PART-II, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077,HAVE CHANGED MY NAME TO RAJBIR KAUR RANDHAWA FOR ALL FUTURE PURPOSES

Public Notice
It is for general information that I Laxmi narain S/O: Murari Lal, R/O B-983, Shastri Nagar, Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, DIST: North West Delhi, Delhi-110052,declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Laxman and Yashoda in my minor son Nitin aged 17 years in his birth certificate no MCDOLIR -2208-003179347.The actual name of mine and my wife are Laxmi Narain and Yasoda, respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I Somya Bhatnagar D/O: Dinesh Chandra Bhatnagar, R/O H-108C, Janta Flat, Dilshad Garden, Jhilmil, PO: Jhilmil, DIST: East Delhi, Delhi-110095, declare that name of my father has been wrongly written as Dinesh Chand Bhatnagar in my 10th Class educational documents. The actual name of my father is DINESH CHANDRA BHATNAGAR, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DHONDIRAM MADYALAPPA, is legally father of JC No. 462302H, Rank – Sub, Name – PATIL LAKASHMAN DHONDIRAM, presently residing at Vill – Bisur, Post – Bisur, Teh – Miraj, Dist – Sangli, State – Maharashtra – 416304, have changed my name from DHONDIRAM MADYALAPPA to DHONDIRAM MADVYALAPPA PATIL and my date of birth from 11/01/1954 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 16/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHANTABAI, is legally mother of JC No. 462302H, Rank – Sub, Name – PATIL LAKASHMAN DHONDIRAM, presently residing at Vill – Bisur, Post – Bisur, Teh – Miraj, Dist – Sangli, State – Maharashtra – 416304, have changed my name from SHANTABAI to SHANTABAI DHONDIRAM PATIL and my date of birth from 11/01/1962 to 01/01/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 16/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,NITU MENGI W/o Lakshay Handa R/o 175, Gangotri Appartment, F-Block, Vikas Puri, Delhi-110018, have changed my name to NEETU MENGI Permanently.

NAME CHANGE
I Kumari Shilpi Kumari D/O Deepak Acharya R/O House No -3467 Gali 76 Block E2 Molarband Badarpur Delhi -110034 Changed My Name To Shilpi Acharya.

NAME CHANGE
I SATISH KUMAR S/O JAGANNATH SHAH R/0 D3/322 SHIV DURGA VIHAR LAKKARPUR SURAJKUND FRIDABAD 121009 changed my name to satish shah

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ISRAIL S/O MOHD HUSEN R/O 6631-32 BLDG NO.8 4TH FLOOR CHAMELIAN ROAD BARA HINDU RAO DELHI 110006 Changed my name to MOHD ISRAIL

NAME CHANGE
I Subhashree Samal W/0 Bharat Chandra Nayak R/0 RZF -309 , Gali No 6 Palam Colony Raj Nagar Part -2 Delhi 110077 Changed my name to Subhasree Samal

NAME CHANGE
I,Jay Mala Kumari W/O Rajesh Kumar R/O H.no-A-7/141 rajvir colony gharoli extension east Delhi 110096, Changed my name to Jaimala Dubey.

NAME CHANGE
I KUM DEEPALI GUPTA W/O RAMESH KUMAR KHANDELWAL R//O WZ- 283/5 MADDI WALI GALI NO 1 VISHNU GARDEN TILAK NAGAR DELHI- 110018 have changed my name to RADHA KHANDELWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I NEETU W/O SURESH KUMAR R/O B-39 UGF SECTOR 8 DWARKA NEW DELHI -110077 have changed my name to NEETU KOLI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as SHRIKANT GYANESHWAR SHRIVASTAVA alias SHRIKANT GYANESHWAR S/O S.K. SHRIVASTAVA R/O 193, Samachar Appartments, Mayur Vihar Phase -1 Extension, East Delhi, Delhi -110091 have changed my name and shall hereafter be known as SHRIKANT GYANESHWAR SHRIVASTAVA.

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र – I
वरि० मंडल विद्युत अभियंता/कोचिंग कार्यालय द्वारा जारी निविदा जो कि निम्नलिखित कार्य के लिए थी, जो कि दिनांक 08.04.2026 को 15:01 बजे खोली जानी थी, टेंडर दस्तावेज़ों में कुछ जोड़ने या हटाने के कारण, फर्म को रेलवे की वेबसाइट से टेंडर दस्तावेज़ डाउनलोड करने होंगे। अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।

क्र सं०	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू0)	बयाना राशि (रू0)	कार्य समापन की अवधि
1.	30-विद्युत-11टी-कोचिंग-2025-26	दिल्ली मंडल के अंतर्गत आनंद विहार डिपो की प्राइमरी–बेस्ड शताब्दी/तेजस/शताब्दी–टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन–बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के समय, AC कोचों के ताज़ी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल तथा कूलिंग/कंडेंसर कॉइल्स की सफाई का कार्य, तीन वर्षों की अवधि के लिए।	रू0 12,68,02,167.22	रू0 7,84,000/-	36 महीने

संख्या: 30–विद्युत–11टी–कोचिंग–2025–26 दिनांक: 17.03.2026 912/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Public Notice
It is for general information I, SHOBHA D/o Shri BHOPAL RAM and Ex. wife of Shri NAND RAM R/o H-63, Room No. 2, Ber Sarai, VTC: Hauz Khas, PO: Hauz Khas, Sub District: Hauz Khas, District: South Delhi, Delhi-110016, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. H.M.A. Petition No. 984/20 dated 05.12.2020. Further, I remarried with PRADEEP CHANDRA S/O TARI RAM vide marriage certificate No. 90730000224309 dated 16.06.2025. Henceforth the name of the father of my minor son namely NAITIK VARDHAN, aged 14 years may be known as PRADEEP CHANDRA in future for all purposes.

Public Notice
It is for general information I, SHOBHA D/o Shri BHOPAL RAM and Ex. wife of Shri NAND RAM R/o H-63, Room No. 2, Ber Sarai, VTC: Hauz Khas, PO: Hauz Khas, Sub District: Hauz Khas, District: South Delhi, Delhi-110016, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. H.M.A. Petition No. 984/20 dated 05.12.2020. Further, I remarried with PRADEEP CHANDRA S/O TARI RAM vide marriage certificate No. 90730000224309 dated 16.06.2025. Henceforth the name of the father of my minor daughter namely DIVYA, aged 10 years may be known as PRADEEP CHANDRA in future for all purposes.

NAME CHANGE
I, CHEGURU MAMATHA W/O VASU VENKAT REDDY residing at FLAT NO-230 EKTA APARTMENT DDA FLATS POCKET 1/2 DWARKA SECTOR -3 DELHI-110075. have changed my name to MEKALA NITYA for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as CHANDA W/o LEELA, R/o Bhatta, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203201, have changed my name and shall hereafter be known as CHANDRAVATI L MONDOLIA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHANKAR LAL S/o MAHESH LAL R/o A-91 3RD FLOR, L CORNER FLAT NO-D-2 DUGGAL COLONY KHANPUR, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as SHANKAR KUKREJA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as KIRPAL KUMAR S/o HARI LAL R/o B-119, 2ND FLOOR AHUJA APARTMENT, DUGGAL COLONY KHANPUR, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as KIRPAL KUKREJA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAM SINGH S/O LATE SHRI MOHAN LAL, employed as Sub Inspector (Radio Operator) in the Border Security Force at Headquarters DG BSF, Block-10, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003, R/O HOME ADDRESS VILLAGE -MATAUR, TEHSIL-MODINAGAR, DISTT -GHAZIABAD (U.P) PIN-201204 have changed my name and shall hereafter be known as Ram Singh Deshwal s/o Late Shri Mohal Lal Singh.

NAME CHANGE
I hitherto known as AMRATA D/o GHAN SHAM DASS R/o B-137 GROUND FLOOR, STREET NO-5, DEVLI ROAD, DUGGAL COLONY, DELHI-110062 have changed my name and shall hereafter be known as AMRITA AHUJA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I TAQI MUHMMAD S/O RAMZANI KAHN R/O H.No-1762, Street No-17B, Rajive Gandhi Nagar, New Mustafabad, North East Delhi, Delhi-110094 declare that name of mine and my father has been wrongly written as TAKKI MOHAMMAD and RAMJANI KHAN in my service record. The actual name of mine and my father are TAQI MUHMMAD and RAMZANI KAHN respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as SANJAY S/O DHARAMPAL employed as Inspector (Min) in the office of Licensing Unit, Delhi Police R/O 224, Shahpur Jat, New Delhi-110049,have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY KUMAR.

NAME CHANGE
I, Ashish Kumar S/o Radhey Shyam R/o 70/3005, Ground Floor, Shalimar Park, Bholanath Nagar, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Ashish Verma.

NAME CHANGE
I, No-16117009H Rank-L/HAV Name-MAHESH S Presently residing at 3/325-1, INDIRA NAGAR, 1ST STREET, KUMARAGIRI, THOOTHUKKUDI, TAMIL NADU-628103, have changed my mother's name from S SUBBULAKSHMI to SUBBULAKSHMI S for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1970 instead of her correct date of birth as 18/11/1969 vide Affidavit dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-16117009H Rank-L/HAV Name-MAHESH S Presently residing at 3/325-1, INDIRA NAGAR, 1ST STREET, KUMARAGIRI, THOOTHUKKUDI, TAMIL NADU-628103, have changed my father's name from S SORIMUTHU to SORIMUTHU S for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of his correct date of birth as 21/05/1964 vide Affidavit dated 18/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
SAMSUDDIN S/O CHANDER KHAN R/O VILLAGE REWASAN, TEHSIL NUH, DISTT NUH MEWAT HARYANA 122103. HAVE CHANGED OF MY NAME SAMSHUDDIN TO SAMSUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
Reg: Property Bearing No. X-122/349-A, area measuring 40 sq.yds.i.e. 33.44 sq.mtrs., falling in Khasra No. 747, Situated at Village Ghonda Gujran Khadar in the abadi of X-Block, Gali No. 6, Braham Puri, New Delhi-110053 (Hereinafter referred to as the "Said Property") (Hereinafter referred to as the "Said Property"). Be it known to all that our clients, Mr. Shiwakant & Mrs. Bharti (hereinafter called the "Purchasers") intends to purchase the said property from Mrs. Bharti (GPA of Mr. Raj Kumar) (hereinafter called the "Attorney Holder") who owned the said property vide GPA, ATS and Will dated 15.05.2023. In this connection, attorney holder has informed that initially Mrs. Sona Devi was the stated owner of the said property and after that the said property has been sold number of times through GPA, ATS and Will dated 04.08.1997, 05.09.2005, 21.05.2013 and 03.03.2018 and thereafter to Mrs. Shardha Rathore vide GPA, ATS and Will dated 05.03.2018 and thereafter to Mr. Raj Kumar and finally to Mrs. Bharti vide vide GPA, ATS and Will dated 15.05.2023. The attorney holder has also informed the purchasers that the said property is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said property. Any person including Bank/s, Financial Institution/s, relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the attorney holder in respect of the said property shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/Purchaser, in any manner whatsoever.
Shivkant Arora Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF,Defence Colony,
New Delhi -110024

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हांसी में करोड़ों रुपए की जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास

एजेंसी

हांसी। यहां के जवाहर नगर स्थित एक प्लाट पर अवैध कब्जे का प्रयास किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने रात के अंधेरे में प्लाट पर निकाली गई पुरानी दीवार तोड़कर नई सीमेंट की दीवार खड़ी कर प्लाट पर कब्जा कर लिया। शहर थाना पुलिस ने प्लाट धारक विजय बंसल की शिकायत के आधार पर मय्यड़ के अजय, सोनू और मोनू सहित 28 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में विजय बंसल ने कहा है कि उनके पिता अर्जन दास खांडा वाला और उनके साझेदारों ने वर्ष 1959 में हांसी में करीब साढ़े 9 एकड़ क्षेत्र में जवाहर नगर नामक एक अनुमोदित कॉलोनी विकसित की थी। बंसल के अनुसार अधिकांश भूमि बिक चुकी है, लेकिन मुख्य सड़क पर स्थित एक प्लाट अभी भी उनके स्वामित्व में है।शिकायत में कहा गया है कि 15 मार्च की सुबह मय्यड़ निवासी अजय अपने दोस्तों के साथ जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर प्लाट पर पहुंचा और वहां बनी ईंटों की बनी पुरानी दीवार को तोड़ने लगा। अजय द्वारा उनके प्लाट पर बनी दीवार को तोड़ने की सूचना मिलने पर अनाज मंडी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। और पुलिस ने दीवार तोड़ रही जेसीबी मशीन को रुकवा कर दोनों पक्षों को अनाज मंडी चौकी बुलाया और कागजात की जांच की। और दोनों पक्षों को अपने विवाद को कोर्ट में हल करवाने के निर्देश दिए।

गैस आपूर्ति पर कड़ी निगरानी, प्रशासन ने जताया भरोसा–घबराने की जरूरत नहीं

यमुनानगर। यमुनानगर में घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर उत्पन्न आशंकाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में बताया है। उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित विशेष टीम के संदर्भ में अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा और पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने मंगलवार को जिला सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिले में घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। प्रशासन ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। बुकिंग की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए मोबाइल फोन और ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी के लिए जिला स्तर पर आठ टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें गैस एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग को भी नियंत्रित करेंगी।

नारनौल में नलकूप चालकों का अभिनंदन कर मनाया जल महोत्सव

नारनौल। नारनौल में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जिला परिषद सभागार में पंप ऑपरेटर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल महोत्सव मनाते हुए नलकूप चालकों के योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमंडल अभियंता मुकेश कुमार ने की। समारोह में जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पानी केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले जहां महिलाओं और बच्चों को पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब जल जीवन मिशन के तहत घर-घर स्वच्छ और सुरक्षित पानी उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने सभी संबंधित समितियों और नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक गांव में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को नियमित रूप से जल की गुणवत्ता की जांच और निगरानी करनी चाहिए, ताकि लोगों को शुद्ध पानी मिल सके। कार्यक्रम में ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि इन समितियों को जल प्रबंधन, समान वितरण और जल शुल्क संग्रहण जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों को गंभीरता से निभाना चाहिए।

सोनीपत के गौरव बने सात युवाओं ने इतिहास रच दिया : सुशील सारवान

सोनीपत। सोनीपतमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा-2025 में जिले के सात युवाओंने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उपायुक्त सुशील सारवान ने लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में सभी सफल अभ्यर्थियों व उनके परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया और उनके संघर्षपूर्ण सफर की सराहना करते हुए कहा कि सोनीपत के गौरव बने सात युवाओं ने इतिहास रच दिया है। उपायुक्त ने अभ्यर्थियों से उनकी तैयारी, चुनौतियों और सफलता के अनुभव विस्तार से जाने। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल परिवारों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि सीमित संसाधनों के बावजूद कठोर परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह सफलता प्राप्त की गई है। सिविल सेवा परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में माना जाता है, जिसे उत्तीर्ण करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। सफल अभ्यर्थियों में प्रीति चौहान ने 47वीं रैंक, मानसी डागर ने 137वीं रैंक, संदेश जैन ने पहले प्रयास में 161वीं रैंक, इशिता शर्मा ने 268वीं रैंक, वैभव भारद्वाज ने 344वीं रैंक, निशि त्यागी ने 685वीं रैंक तथा अमन ने दूसरे प्रयास में 731वीं रैंक हासिल की।

वायु प्रदूषण, पार्किंग, ईवी चार्जिंग स्टेशन व ठोस कचरा प्रबंधन पर निगम की सख्ती

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में वायु प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को मासिक आधार पर हर हाल में पूरा किया जाए।

बैठक के दौरान निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए चल रहे सभी प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्य की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। मंगलवार को हुई बैठक में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जुलाई से सितंबर के बीच 10 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित

किए जाएंगे। अक्टूबर से दिसंबर के बीच अतिरिक्त 10 चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इसी अवधि में 10-10 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन भी स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निगमायुक्त ने पार्किंग व सीएंडडी वेस्ट सेंटर कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कमान सराय क्षेत्र में सर्फेस पार्किंग का कार्य जून माह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे 20 सीएंडडी वेस्ट कलेक्शन सेंटर भी जून के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। बैठक में सड़क सुधार, ट्रैफिक डी-कंजेशन, डस्ट फ्री अभियान सहित अन्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर भी चर्चा हुई। निगमायुक्त ने कहा कि इन सभी कार्यों को भी मासिक लक्ष्य निर्धारित समय पर तेजी से पूरा किया जाए, ताकि शहर में प्रदूषण स्तर में प्रभावी कमी लाई जा सके। बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि ये नियम एक अप्रैल 2026 से लागू हो जाएंगे। नियमों के तहत नागरिकों के लिए जागरुकता अभियान चलाए जाएंगे, बिन सेग्रीगेशन प्रणाली लागू की जाएगी। कचरा प्रबंधन से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि इन नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अभी से तैयारी तेज की जाए। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता प्रबंधन दोनों ही शहर के सतत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें, ताकि गुरुग्राम को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट बार कौंसिल चुनाव के लिए मतदान, पोलिंग पार्टियां रवाना

एजेंसी

कैथल। पंजाब एवं हरियाणा बार कौंसिल चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार 18 मार्च को होने वाले मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों को अंतिम प्रशिक्षण देने के बाद रवाना कर दिया गया है। प्रशासन का लक्ष्य चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है।डीसी अपराजिता ने मंगलवार को बताया कि मतदान सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक होगा। जिले में कुल चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कैथल बार एसोसिएशन में प्रथम तल पर तीन बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां 1659 अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं गुहला बार एसोसिएशन में प्रथम तल पर एक बूथ बनाया गया है, जहां 146 अधिवक्ता मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल छह पोलिंग पार्टियां तैनात की गई हैं, जिनमें चार मुख्य और दो रिजर्व टीमें शामिल हैं। इसके अलावा प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की है। कैथल क्षेत्र के लिए एसडीएम अजय हुड्डा (कलायत) को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि गुहला-चीका क्षेत्र के लिए एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिला प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस विभाग को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, वहीं संबंधित विभागों को बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

डीसी ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से करें।

सरसों के एमएसपी से अधिक मिल रहे किसानों को भाव

एजेंसी

जींद। किसानों को सरसों के भाव एमएसपी से अधिक मिलने पर किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे है। किसानों को आने वाले दिनों में भाव बढऩे की उम्मीद है। इन दिनों सरसों के भाव कम से कम 6290 रुपये प्रति क्विंटल से लेकर 6495 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचे है। वर्ष 2025 में इन दिनों भाव 5295 रुपये से 5595 रुपये प्रति क्विंटल इन दिनों किसानों को प्राइवेट बोली पर मिल रहे थे। सरकार द्वारा 6200 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी सरसों का तय किया है। 27 मार्च से सरसों की खरीद शुरू होनी है। सरसों की आवक मंडी में काफी दिनों से शुरू है। भाव किसानों को जो प्राइवेट बोली पर मिल रहे है, वो एमएसपी से अधिक मिल रहे है। किसानों को भाव बढऩे की उम्मीद है। अब तक 793 क्विंटल सरसों की खरीद मंडी में हो चुकी है। किसान राजबीर, मंजीत, सुभाष, राजू ने कहा कि सरसों की फसल मंडी में लाते ही बिक रही है। जो भाव मंडी में इन दिनों मिल रहे है वो जो सरकार ने एमएसपी भाव तय किया है उससे अधिक है। किसी तरह की परेशानी किसानों को फसल बेचने में नहीं आ रही है। भाव आने वाले दिनों में भी बढऩे की उम्मीद है। मार्केट कमेटी सचिव योगेश ने कहा कि सरसों के भाव इन दिनों प्राइवेटी बोली पर एमएसपी से अधिक मिल रहे हैं। 27 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद शुरू होनी है।

सोमवार 6475 रुपये प्रति क्विंटल
मंगलवार 6400 रुपये प्रति क्विंटल

नोटः- ये भाव मार्केट कमेटी रिकॉर्ड में उच्च क्वालिटी की सरसों के दर्ज हैं।

डीसी ने किया गांव सांपन खेड़ी में बन रहे भगवान परशुराम मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने गांव सांपन खेड़ी में निर्माणाधीन भगवान परशुराम राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर में सबसे पहले अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। जहां सात मंजिला भवन में जमीनी तल सहित प्रत्येक मंजिल पर बनाए जा रहे चिकित्सीय कक्ष, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे, के बारे में नक्शे के माध्यम से जानकारी ली। उन्होंने शैक्षणिक ब्लॉक, छात्रावास तथा रेजिडेंट डॉक्टरों के आवासीय परिसर का एक-एक कर अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों

से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली तथा कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने बिल्डिंग प्लान का बारीकी से अवलोकन किया। हरियाणा सरकार द्वारा आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार इसकी प्रगति को लेकर निर्देश देते हैं, ताकि कैथल के लोगों को जल्द से जल्द इस कॉलेज की सेवाएं मिल सकें। करीब 935 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है और इसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में निर्माण कार्य का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने के बाद कैथल सहित आसपास के जिलों के लोगों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। अभी गंभीर मरीजों को इलाज के लिए चंडीगढ़, रोहतक पीजीआई या कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े संस्थानों में रेफर करना पड़ता है। नए मेडिकल कॉलेज के संचालन से इस समस्या में काफी हद तक कमी आएगी।530 बेड का आधुनिक अस्पताल और 100 एमबीबीएस सीटेंडीसी अपराजिता ने बताया कि करीब 20 एकड़ भूमि पर कैथल-करनाल रोड स्थित गांव सांपन खेड़ी में बन रहे इस मेडिकल कॉलेज में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 530 बिस्तरों वाला बहुमंजिला अस्पताल भवन तैयार किया जा रहा है।

राज्य सभा चुनाव में क्रास वोटिंग पर सदन में हंगामा, कांग्रेस के आठ विधायक किए गए नेम,किया वॉकआउट

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर आज विधानसभा में खूब हंगामा हुआ। हंगामे के बीच बजट अनुमानों की रिपोर्ट पेश की गई, लेकिन हंगामे को बढ़ते देख विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की। इसके बाद कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी के बीच तीखी नोकझोक हुई। इसी बीच लंच तक कार्यवाही स्थगित कर दी। लंच के बाद कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू किया, स्पीकर की ओर से कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन कांग्रेस विधायकों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद स्पीकर ने कांग्रेस के आठ विधायकों को नेम किया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने वॉकआउट करते हुए सदन छोड़ दिया। वहीं, सदन छोड़ने पर भाजपा की ओर से मंत्री कृष्ण बेदी ने निंदा प्रस्ताव पेश किया, जिससे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के बाद बेरी से कांग्रेस विधायक रघुवीर कादियान ने क्रॉस वोटिंग का मुद्दा उठाया। हालांकि, विस अध्यक्ष ने उन्हें यह कहते हुए

लंच के बाद कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू किया, स्पीकर की ओर से कई बार चेतावनी दी गई।

टोका कि यह सदन का विषय नहीं है। दोनों पार्टियां अपने स्तर पर सदन से बाहर इस अपने-अपने स्तर पर फैसला लें। स्पीकर ने उन्हें टोकते हुए बैठने की नसीहत दी, लेकिन इस बीच दोनों तरफ से हंगामा शुरू हो गया। सदन में कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। हंगामे के बीच सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी ने भी विपक्ष पर खूब तंज कसे। यही नहीं, कांग्रेस विधायकों ने स्पीकर वेल में पहुंचकर नारेबाजी जारी रखी। भाजपा विधायकों और मंत्री कृष्ण बेदी तथा गौरव गौतम ने उंगलियां दिखाकर कांग्रेस विधायकों की तरफ इशारा किया। राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस के चार वोट रद्द हुए हैं जबकि पांच क्रॉस वोटिंग हुई। रघुवीर सिंह कादियान ने कहां कि वोट खरीदने से हरियाणा की बदनामी हुई है। मंत्री गौरव गौतम और कृष्ण बेदी ने कागज पर 37 में से 9 लिखकर कांग्रेस विधायक की ओर दिखाते हुए चिढ़ाया।

सदन के माहौल को देखते हुए स्पीकर खड़े होकर सभी विधायकों को अपनी-अपनी सीटों पर बैठने की हिदायत दी, लेकिन हंगामा बदस्तूर जारी रहा। इसी बीच स्पीकर ने मंत्री कृष्ण बेदी को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए नसीहत दी कि मंत्री जी जब स्पीकर चेयर से खड़ा होता है तो सदन के माननीयों को अपनी-अपनी सीटों पर बैठना चाहिए। हंगामे और शोरगुल के बीच सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की गई। दोपहर भोज के बाद हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही 2 बजे शुरू हुई। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस विधायकों ने फिर से हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर की ओर से कई बार विधायकों को बैठने की हिदायत दी गई, लेकिन विधायकों ने नारेबाजी जारी रखी। जवाब में भाजपा विधायकों की ओर से कागज पर कुछ लिखकर लहराया तो कांग्रेस विधायकों ने 'वोट चोर डूब मरो के नारे' के नारे लगाए। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही करते हुए 8 विधायकों को नेम किया, इनमें कलायत विधायक विकास सहारण, नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़, महम विधायक बलराम दांगी, बरौदा विधायक इंदूराज, गुहला-चीका विधायक देवेंद्र हंस, कलानौर विधायक शंकुलता खटक, पिहोवा विधायक मनदीप चट्ठा और फतेहाबाद विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया शामिल हैं।

प्रधानमंत्री दौरे से पहले तैयारियों को लेकर प्रशासन हुआ सक्रिय

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 24 अप्रैल को प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उपायुक्त सुशील सारवान की अध्यक्षतामें विभिन्न विभागों और मारुति सुजुकी प्लांट के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्लांट के सुचारु संचालन और दौरे के दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने सभी कार्यों के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित अवधि में कार्य पूरे करना सुनिश्चित करें। बैठक में प्लांट के आधारभूत ढांचे, बिजली, पानी, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष रूप से विचार किया गया। उपायुक्त ने सर्विस रोड पर एचएसआईआईडीसी के कार्यों में बाधा बन रहे बिजली के खंभों को 20 मार्च तक हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिजली विभाग को पावर ढांचे को मजबूत करने और आवश्यक कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। सिंचाई विभाग को जल आपूर्ति सुचारु रखने और लोक निर्माण विभाग को सड़क तथा यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में योजना निर्माण, मास्टर प्लान और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे मारुति सुजुकी प्लांट प्रबंधन के साथ समन्वय बनाकर सभी कार्य समय पर पूर्ण करें, ताकि दौरे के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही प्लांट की सुरक्षा और कर्मचारियों के चयन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अग्निशमन वाहनों के पंजीकरण, औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े मुद्दों, सुरक्षा प्रबंध, ढांचा सुधार, केएमपी एक्सप्रेसवे की सुरक्षा तथा गैस पाइपलाइन से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

21 मार्च को डीसीआरयूएसटी मुरथल में भव्य युवा सम्मेलन

राज्यसभा उप-सभापति हरिवंश होंगे मुख्यातिथिः एसडीएम सुभाष

एजेंसी

सोनीपत। उपमंडल अधिकारी (ना.) सुभाष चंद्र ने बताया कि 21 मार्च को दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में एक भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्मेलन में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से हजारों युवा शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश बतौर मुख्यातिथि युवाओं को प्रेरित करेंगे। उनके साथ राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी व अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर उच्च शिक्षा विभाग के महानिदेशक एस. नारायणन ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। एसडीएम सुभाष चंद्र ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पंजीकरण, सुरक्षा और यातायात के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। कॉलेजों से विद्यार्थियों को लाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है और प्रत्येक

कॉलेज के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। एसडीएम ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, स्वच्छता और बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, कौशल विकास और नवाचार के प्रति जागरूक करना है। प्रेरणादायी सत्रों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

अवैध फैक्टरी मालिक की निशानदेही पर बम पटाखे बरामद

एजेंसी

जींद। सदर थाना सफीदों पुलिस ने बिना अनुमति के विस्फोटक सामग्री से पटाखों को निर्माण कर लोगों की जान जोखिम मे डालने के रिमांड पर लिए आरोपित की निशानदेही पर विस्फोट सामग्री को बरामद किया है। आरोपित ने अपनी क्रोकरी की दुकान के पीछे गोदाम बना कर उसमें छुपाया हुआ था। पुलिस अरोपित से पूछताछ कर रही है।

सफीदो में गत सात मार्च को अवैध फैक्टरी मे आग लगने से हुई महिला मजदूरों की मौत के बाद पुलिस ने गांव कुरड़ मे छापेमारी की थी। जहां पर किराये के मकान मे बिना अनुमति के बंब पटाखे की फैक्टरी चल रही थी। वहां पर काफी मात्रा मे विस्फोट सामग्री बरामद की थी। शिकायत के आधार पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने गत 11 मार्च को सफीदों निवासी सतनाराण, राकेश समेत चार लोगों को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ लोगों की जान जोखिम में डालने, मजदूरों को बंधक बना कर रखने, विस्फोट सामग्री का भंडारण करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया था। सदर थाना सफीदों पुलिस ने आरोपित सतनारायण को गिरफ्तार कर अदालत से एक दिन के रिमाडं पर लिया था।

पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसने एमजी रोड पर क्रोकरी की दुकान बनाई हुई जिसके पीछे गोदाम में कुछ सामान बचा हुआ है। सदर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि डूयटी मजिस्ट्रेट तहलसीदार राजेश गर्ग के नेतृत्व मे एमजी रोड आरोपित सतनारायण की दुकान पर दस्तक दी और सर्च अभियान चलाया।

इस दौरान पीछे गोदाम से स्मॉग कैंडल, रॉकेट, फुलझड़ी, धरतीमार बम, बीड़ी बम, मिक्स पटाखे बरामद अन्य सामग्री बरामद हुई। जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया। आरोपित सतनारायण के खिलाफ शहर थाना सफीदों में गैर इरादतन समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत अलग से मामला दर्ज है जिसमें 12 महिला मजदूरों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस बिखराव की ओर, संजय भाटिया को दी जीत की बधाईः बडौली

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद संजय भाटिया को जीत की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि संजय भाटिया अपने लंबे राजनीतिक अनुभव से उच्च सदन में हरियाणा की आवाज को और अधिक मजबूत बनाएंगे। मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी आंतरिक संघर्ष और गुटबाजी से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने विधायकों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाती रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पार्टी को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है। उनके अनुसार कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है और कई विधायक पार्टी से असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रम ने कांग्रेस की अंतर्कलह को फिर उजागर कर दिया है। संख्याबल होने के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी का केवल एक मत से जीतना उनकी एकजुटता के दावों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का भरोसा भी पार्टी से उठता जा रहा है और आने

वाले समय में स्थिति और खराब हो सकती है। इनेलो पर भी टिप्पणी करते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि वह कांग्रेस की बी टीम की तरह व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो ने चुनाव का बहिष्कार कर अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया और अपने विधायकों को मतदान से रोका, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी को जन-जन का समर्थन मिल रहा है और जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं, किसानों, गरीबों और युवाओं के हित में काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से विकास कर रहा है। अंत में उन्होंने संजय भाटिया के सफल कार्यकाल और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की कामना दोहराई।

विधानसभा में कैथल की अनाधिकृत कॉलोनियों का मुद्दा गूंजा, आदित्य सुरजेवाला ने उठाई नियमित करने की मांग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जिले की अनधिकृत कॉलोनियों और आम लोगों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया। अपने अभिभाषण के दौरान उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि अनधिकृत कॉलोनियों को रेगुलराइज करने की बात तो की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उन कॉलोनियों की अनदेखी हो रही है, जहां एससी-बीसी और आम वर्ग के लोग रहते हैं। विधायक ने कैथल की कई अनधिकृत कॉलोनियों का नाम लेते हुए सरकार को घेरा और कहा कि बलराज नगर, डिफेंस कॉलोनी पार्ट-2, रामनगर, बैंक कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी (गली नंबर 3 व 4), पुरानी अनाज मंडी क्षेत्र, रैली गोदाम, सिरटा रोड, अर्जुन नगर, बाल सेठ कॉलोनी, डीएवी कॉलोनी, मायापुरी कॉलोनी, करण विहार, शिव नगर और शक्ति नगर जैसी कॉलोनियों में न तो रेगुलराइजेशन हो रहा है और न ही लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सीवरेज की समस्या गंभीर बनी हुई है और कई जगह गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। सुरजेवाला ने सरकार से मांग की कि इन कॉलोनियों को जल्द से जल्द नियमित किया जाए और यहां रहने वाले लोगों को सीवरेज, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। विधायक ने कहा कि विकसित हरियाणा का दावा तभी सार्थक होगा, जब हर नागरिक को समान रूप से सुविधाएं मिलें और कोई भी कॉलोनी विकास से अछूती न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि वे कैथल के हर क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की लड़ाई आगे भी मजबूती से उठाते रहेंगे।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रुख फिर निगेटिव हो, बाजार से निकाले 86,285 करोड़

-विशेषज्ञ बोले- हालात जैसे ही सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकता है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में मार्च महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का रुख फिर से निगेटिव हो गया है। ब्रोकरेज फर्म एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग के मुताबिक जब तक यह भू-राजनीतिक तनाव बना रहेगा, तब तक विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही हालात सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकते हैं। इसके पीछे भारत के मजबूत आर्थिक हालात, बेहतर ग्रोथ की उम्मीद और विकसित देशों के मुकाबले ठीक-ठाक वैल्यूएशन को वजह माना जा रहा है।आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 86,285 करोड़ रुपए निकाले हैं। साल 2025 में भी कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली हुई। वहीं 2026 में जनवरी महीने में एफपीआई ने 35,962 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन फरवरी में उन्होंने वापसी करते हुए 22,615 करोड़ का निवेश किया, जो सितंबर 2024 के बाद सबसे ज्यादा था। विदेशी निवेश की बिकवाली का असर बाजार पर साफ नजर आया। इस साल अब तक निफ्टी 50 करीब 9.7 फीसदी गिर चुका है। वहीं सेंसेक्स में भी करीब 10.7 फीसदी की गिरावट आई। मार्केट कैप में भी करीब 22 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है।रिपोर्ट के मुताबिक म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशक दोनों ही इस समय कैपेक्स से जुड़े सेक्टर जैसे कैपिटल गुड्स, पावर और सीमेंट से दूरी बनाए हुए हैं। वहीं दूसरी ओर ऑटो, उपभोक्ता सामान और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में इनकी रुचि ज्यादा है। फाइनेंशियल सेक्टर को लेकर भी पहले की तुलना में निगेटिव रुख कम हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशकों की रणनीति कई सेक्टरों में अलग-अलग है। फरवरी में म्यूचुअल फंड ने आईटी, टेलीकॉम, सीमेंट और कंज्यूमर सर्विसेज में निवेश बढ़ाया, जबकि मेटल, पावर, ऑटो और ऑयल-गैस सेक्टर में हिस्सेदारी घटाई। वहीं विदेशी निवेशक कैपिटल गुड्स, मेटल और पावर सेक्टर में ज्यादा खरीदार रहे, जबकि आईटी सेक्टर में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी कम कर दी।पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच विदेशी ब्रोकरेज फर्मों ने भी निफ्टी के टारगेट घटा दिए हैं। नोमुरा ने अब निफ्टी का टारगेट 24,900 रखा है, जो पहले 29,300 था। वहीं सिटी रिसर्च ने भी 2026 के लिए अपना टारगेट 5.2 फीसदी घटाकर 27,000 कर दिया है। नोमुरा के मुताबिक इस उतार-चढ़ाव के दौर में कोयला, तेल उत्पादन, हेल्थकेयर, फार्मा, एफएमसीजी और टेलीकॉम सेक्टर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि, हेल्थकेयर और एफएमसीजी सेक्टर में वैल्यूएशन अभी थोड़ा महंगा माना जा रहा है।

नाटो से मदद न मिलने पर भड़के ट्रंप बोले- अकेले लड़ेंगे, चीन का दौरा भी टाल दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने के अंत में होने वाला अपना प्रस्तावित चीन दौरा आधिकारिक रूप से टाल दिया है। ईरान के साथ जारी युद्ध और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में आए गतिरोध के बीच व्हाइट हाउस ने यह बड़ा फैसला लिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि अब वह अगले पांच या छह हफ्तों में चीन की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने इस देरी के महत्व को कम बताते हुए कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके कामकाजी और व्यक्तिगत रिश्ते बहुत मजबूत हैं और शी जिनपिंग भी उनसे मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस दौरे के टलने के पीछे की असली वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उपजा विवाद माना जा रहा है। ट्रंप ने पहले संकेत दिया था कि उनकी चीन यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि बीजिंग होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाने में वाशिंगटन की मदद करता है या नहीं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के जवाब में ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया है। हालांकि, चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप के दौरे का इस समुद्री मार्ग के विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए नाटो और अपने अन्य प्रमुख सहयोगियों पर भी निशाना साधा है। ट्रंप ने दावा किया कि उनके अधिकतर नाटो सहयोगियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल होने और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में मदद करने के अमेरिकी आह्वान को ठुकरा दिया है। ट्रंप ने इसे एकतरफा व्यवस्था करार देते हुए कहा कि अमेरिका हर साल इन देशों की सुरक्षा पर अरबों डॉलर खर्च करता है.

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। आज दोनो के ही वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सुबह के समय सोने के वायदा भाव 1,55,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,51,000 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में कारोबार रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 327 रुपये टूटकर 1,55,658 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इससे पिछला बंद भाव 1,55,985 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 201 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,784 रुपये के स्तर पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,55,784 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 1,55,600 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचेदूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 1,615 रुपये नीचे आकर 2,51,498 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,53,113 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 2,107 रुपये की गिरावट के साथ 2,51,006 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 2,51,498 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,50,919 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा।

चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी रही है। कामेक्स पर सोना आज 5,010.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,008.20 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.39 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 79.92 डॉलर था।

इंफोसिस जारी करेगी तिमाही के नतीजे, अप्रैल की बैठक में फाइनल डिविडेंड पर होगा विचार

नई दिल्ली,

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस जल्द ही अपने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक 22 और 23 अप्रैल 2026 को होगी। इस बैइक में कंपनी मार्च 2026 को खत्म हुए वित्त वर्ष के चौथी तिमाही और पूरे साल के ऑडिटेड नतीजों को मंजूरी देगी। माना जा रहा है कि कंपनी 23 अप्रैल को शाम के आसपास अपने नतीजे जारी कर सकती है, जैसा कि पहले भी होता रहा है।इंफोसिस ने यह भी संकेत दिया है कि इस बैठक में शेयरधारकों के लिए फाइनल डिविडेंड पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि डिविडेंड की राशि क्या होगी, इसका फैसला बैठक में ही होगा। कंपनी ने बताया कि सेबी के नियमों के तहत ट्रेडिंग विंडो 16 मार्च 2026 से बंद कर दी गई है। इस दौरान कंपनी से जुड़े लोग शेयरों की खरीद-फरोख्त नहीं कर सकते। इंफोसिस 23 अप्रैल को अपने नतीजों के बाद निवेशकों और विश्लेषकों के साथ कॉल भी करेगी। कंपनी का शेयर 1232.50 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से करीब 1.37 फीसदी कम है। पिछले एक हफ्ते में शेयर करीब 4.87 फीसदी गिरा है, नजर 23 अप्रैल पर टिकी हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 633, निफ्टी 196 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज आईटी और रियल्टी शेयरों में आये उछाल से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 196.65 अंक ऊपर आकर 23,777.80 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी मिडकैप में 2.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.67 फीसदी की बढ़त आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी में भी तेजी रही। । इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में बढ़त दर्ज की गई। जबकि निफ्टी एफएमसीजी में मामूली गिरावट रही। निफ्टी में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। वहीं सिप्ला, एचयूएल, कोल इंडिया, एनटीपीस, सनफार्मा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स और हिंडाल्को के शेयर गिरे। सेंसेक्स में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। जिससे यह पहले के 433 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 438 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उछाल देखने में आया। आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीददारी से प्रमुख सूचकांक में उछाल आया। सुबह सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ ही 76,257 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया जबकि निफ्टी भी 65 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुलकर 23,646 तक पहुंचा।

निफ्टी में जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त तेजी आई उसमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, विप्रो और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे। इन शेयरों में अच्छी खरीदारी से सूचकांक उछला। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। वैश्विक संकेतों का प्रभाव भी घरेलू बाजार पर दिखा। निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरन रिजर्व पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया किया जाएगा। एशियाई बाजारों में भी अच्छा माहौल रहा। जापान का निकेई 225 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया।

वहीं आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जापान के निर्यात में सालाना आधार पर 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी रही। दक्षिण कोरिया का क्रोस्पी लगभग 4 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ क्षेत्रीय बाजारों में सबसे आगे रहा। वहीं चीन का सीएसआई 300 और हांगकांग का हेंग सेंग भी हल्की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में भी सकारात्मक माहौल रहा। एसएंडपी 500 और डॉओ जोंस इंडस्ट्रीयल औसत हल्की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि नेसडेक कंपोजिट में भी अच्छी तेजी आई।

80,800 मिट्रिक टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर भारत पहुंचा जहाज

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए बंद कर रखा है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के तनावपूर्ण जलमार्ग को सफलतापूर्वक पार कर भारत का एक और अहम क्रूड ऑयल टैंकर सुरक्षित गुजरात पोर्ट पर पहुंचा। भारतीय झंडे वाले जहाज जग लाडकी ने यूएई के फुजैराह पोर्ट से करीब 80,800 मेट्रिक टन मुर्बन क्रूड ऑयल लेकर गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर बुधवार को डॉक किया।मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जग लाडकी रविवार को फुजैराह से रवाना हुआ था। जहाज फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर क्रूड लोडिंग कर रहा था, तभी शनिवार को ईरान ने फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला किया। हमले से आग लगी और कुछ लोडिंग ऑपरेशंस अस्थायी रूप से प्रभावित हुए, लेकिन जग लाडकी और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित रहे।हमले के अगले दिन ही जहाज ने सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर भारत की ओर बढ़ा। यह जहाज युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के निकलने वाला चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले दो भारतीय एलपीजी कैरियर शिवालिक और नंदा देवी ने शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार किया था, जिनमें कुल 92,712 टन एलपीजी लदा था। शिवालिक मुंद्रा पहुंच चुका है, जबकि नंदा देवी कांडला बंदरगाह पर पहुंचा है। शुक्रवार को ओमान के सोहर पोर्ट से टैंजानिया जा रहा एक और भारतीय टैंकर जग प्रकाश भी गैसोलीन लेकर सुरक्षित निकला था।

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए ब्लॉक कर दिया है, लेकिन भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग की गारंटी दी है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने घोषणा की कि यह चोकपॉइंट अमेरिका और इजराइल के जहाजों के लिए बंद रहेगा। भात कही थी।

गैलेक्सी ए 37 और गैलेक्सी ए57 के लांच की तैयारी

नई दिल्ली ।

सैमसंग कंपनी अपने दो नए स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए 37 और सैमसंग गैलेक्सी ए57 जल्द लॉन्च हो सकते है। इनके हैंड्स-ऑन वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ गए हैं। इन वीडियो को एक्स पर एक यूज ने शेयर किया है, जिससे फोन्स के डिजाइन और कुछ फीचर्स के बारे में अहम जानकारी मिली है।वीडियो के अनुसार दोनों स्मार्टफोन ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप के साथ आएंगे, जिसमें कैमरे वर्टिकल लाइन में लगाए गए हैं। फोन के राइट साइड में पावर और वॉल्यूम बटन के साथ कंपनी का खास 'की इस्लेंड' डिजाइन भी देखने को मिलता है। दोनों डिवाइस फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ पेश किए जा सकते हैं। लीक वीडियो में सैमसंग गैलेक्सी ए 37 का ग्रीन कलर वेरिएंट दिखाई दिया है। यह फोन फ्लैट डिस्प्ले और अपेक्षाकृत मोटे बेजल्स के साथ आ सकता है। डिस्प्ले में सेल्फी कैमरे के लिए पंच-होल कटआउट दिया गया है। इसके पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा यूनिट और एलईडी फ्लैश मौजूद है। वहीं फोन के निचले हिस्से में सैमसंग का लोगो भी दिखाई देता है। दिया जा सकता है। साथ ही ये स्मार्टफोन आईपी 68 रेटिंग के साथ आ सकते हैं। प्रोसेसर के तौर पर सैमसंग गैलेक्सी ए57 में एक्सीनोस 1680 और सैमसंग गैलेक्सी ए 37 में एक्सीनोस 1480 चिपसेट मिलने की संभावना है।

सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही, एक साल में 4 गुना बढ़ा निवेश

नई दिल्ली,। भारतीय निवेशकों ने पिछले एक साल में सरकारी सिक्वे योरिटीज में जमकर निवेश किया है। रिजर्व बैंक की ओर से जारी रिटेल डायरेक्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है और सेकंडरी बाजार की गतिविधियों में वृद्धि देखी जा रही है। आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर सेकंडरी बाजार खंड में कारोबार की मात्रा पिछले एक साल में 3.7 गुना बढ़ गई है। यह सरकारी प्रतिभूतियों में व्यक्तिगत निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। रिटेल डायरेक्ट मंच के जरिए आसान पहुंच और बेहतर नकदी से इसे समर्थन मिल रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर कुल कारोबार की मात्रा 16 मार्च, 2026 को बढ़कर 8,211.91 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 1,756.08 करोड़ रुपए थी। रॉकफोर्ट फिनकैप एलएलपी के संस्थापक और प्रबंध भागीदार वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन ने कहा कि सबसे उल्लेखनीय सेकंडरी बाजार में कारोबार की मात्रा में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि खुदरा निवेशक प्राथमिक सदस्यता तक ही सीमित रहने के बजाय सरकारी प्रतिभूतियों में खरीद-बिक्री करने में धीरे-धीरे ज्यादा सहज हो रहे हैं। कुल कारोबार में केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों का हिस्सा सबसे ज्यादा 8,059.96 करोड़ रुपए था। इसके बाद राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का कारोबार 82.23 करोड़ रुपए, ट्रेजरी बिल 59.95 करोड़ रुपए और सरकारी गोल्ड बॉन्ड का कारोबार 9.77 करोड़ रुपए रहा।आरबीआई की रिटेल डायरेक्ट योजना खुदरा निवेशकों को सीधे मंच के जरिए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने में मदद करती है। श्रीनिवासन ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में अपेक्षाकृत कम भागीदारी आश्चर्यजनक है, क्योंकि राज्य

विकास ऋण आमतौर पर सरकारी प्रतिभूतियों की तुलना में 0.50 से 0.80 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देते हैं। इससे संकेत मिलता है कि खुदरा निवेशक अतिरिक्त रिटर्न की तुलना में नकदी और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे रहे हैं।बॉन्ड प्रतिफल 6.7118 फीसदी पर है।

वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 जल्द होगा लांच

नई दिल्ली।

वनप्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 को लॉन्च करने की तैयारी में है। नोर्ड सीई 6 को भारत के बीआईएस प्लेटफॉर्म पर देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह फोन जल्द भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। वहीं नोर्ड 6 को कई अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन वेबसाइट्स पर स्पॉट किया गया है, जिससे इसके भी जल्द लॉन्च होने की संभावना जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक नोर्ड 6 को 2026 की पहली तिमाही के आसपास पेश किया जा सकता है। कंपनी आमतौर पर अपनी नोर्ड सीरीज के नए मॉडल समर इवेंट के दौरान लॉन्च करती है, इसलिए संभावना है कि यह स्मार्टफोन भी इसी समय बाजार में आए। लीक्स के मुताबिक वनप्लस नोर्ड 6 में 6.78 इंच की अमोलेड डिस्प्ले दी जा सकती है, जो 1.5के रेजोल्यूशन और 165 एचझेड तक रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें पावरफुल स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो बेहतर परफॉर्मेंस देने में सक्षम होगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा फोन में 9000 एमएएच तक की बड़ी बैटरी दिए जाने की भी चर्चा है।

दूसरी ओर वनप्लसनोर्ड सीई 6 6 में करीब 6.78 इंच की फुल एचडी+ ओलेड डिस्प्ले मिलने की संभावना है, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 या स्नैपड्रेगन 7 सीरीज का नया चिपसेट दिया जा सकता है। कैमरे के तौर पर इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है। कीमत की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक नोर्ड सीई 6 की कीमत करीब 26,000 से 27,000 रुपये के बीच हो सकती है, जबकि नोर्ड 6 की कीमत लगभग 30,000 से 35,000 रुपये के आसपास रहने का अनुमान है।

वैश्विक तेल बाजार में उबाल, 100 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल, भारत में अभी भी राहत

नई दिल्ली,। ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में कोहराम मचा दिया है। मिडिल-ईस्ट से उठ रही युद्ध की लपटों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल देखा जा रहा है। 23 फरवरी 2026 तक जो कीमतें वैश्विक स्तर पर सामान्य थीं, उनमें अब भारी उछाल आ चुका है। ब्रेंट क्रूड ने 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से सीधी छलांग लगाते हुए 100 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर लिया है। यह लगभग 45 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी है, जो ग्लोबल एनर्जी मार्केट में युद्ध की गंभीर आशंकाओं को साफ दर्शाती है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की इस आग ने आम आदमी की जेब जलानी शुरू कर दी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर पेट्रोल की औसत कीमतें 1.20 डॉलर प्रति लीटर से बढ़कर 1.27 डॉलर पर पहुंच गई हैं। वहीं, डीजल ने और भी तेज रफ्तार दिखाई है, जिसकी औसत कीमत 1.20 डॉलर से उछलकर 1.33 डॉलर प्रति लीटर पर जा पहुंची है। ये आंकड़े बताते हैं कि डीजल पर युद्ध की मार पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज्यादा भारी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि भारत, चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे बड़े देशों में अभी तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। अल्जीरिया, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों में भी कीमतें फिलहाल स्थिर हैं। जानकारों का मानना है कि भारत में 5 राज्यों में होने वाले चुनाव के कारण कीमतें नियंत्रित की जा रही हैं। हालांकि, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की बढ़ोतरी से भारत के सालाना आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर का इजाफा होता है। अभी क्रूड 100 डॉलर के पार बना हुआ है, जिससे रुपये और सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है; अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो नियंत्रित बाजार वाले देशों को भी अंततः कीमतें बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने अपनी हाई-परफॉर्मेंस 'एम' सीरीज का विस्तार करते हुए नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च कर दी है। कंपनी के अनुसार देशभर के अधिकृत डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है और ग्राहकों को इसकी डिलीवरी मई 2026 से मिलनी शुरू हो जाएगी।

इस दमदार सुपरबाइक की एक्स-शोरूम कीमत 33.50 लाख रुपये तय की गई है। डिजाइन के मामले में यह बाइक बेहद आकर्षक और आक्रामक लुक के साथ पेश की गई है। इसका स्टाइल काफी हद तक बीएमडब्ल्यू की लोकप्रिय आरआर सुपरबाइक्स से प्रेरित है।

बाइक के फ्रंट में नई डुअल-फ्लो एलईडी हेडलाइट दी गई है, जो इसे अलग पहचान देती है। इसके साथ ही इसमें दिए गए 'एम विंगलेट्स' हाई स्पीड पर बाइक की स्थिरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कंपनी के

मुताबिक 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर ये विंगलेट्स अगले पहिए पर करीब 11 किलोग्राम तक अतिरिक्त डाउनफोर्स पैदा करते हैं, जिससे बाइक तेज गति पर भी सड़क से मजबूती से जुड़ी रहती है। परफॉर्मेंस के लिहाज से इस बाइक में 999सीसी का वॉटर-कूल्ड इनलाइन फोर-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जिसे ट्रैक-फोकस्ड ट्यूनिंग के साथ तैयार किया गया है।

नवरात्रिः आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों

वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें ह्यशुभंकारीह्न भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दशार्ती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।?

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

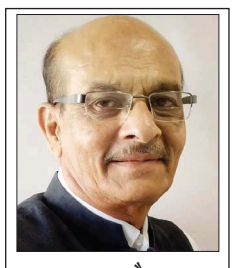

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन

उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है। बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं।

रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति 'चयनात्मकइ रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुनः स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी।

यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं । इस युद्ध की वजह से पूर्ण विश्व महंगाई सहित अन्य चीजों से कराहा उठा है। कच्चे तेल ने खेल ही कर दिया। बात कर रहे हैं पाकिस्तान की जो कि अन्य देशों की तुलना में भुखमरी के कगार पर है ऐसे में वह काबुल पर असमय बमबारी कर रहा है मासूमों की जान ले रहा है। पूरा विश्व खामोशी के साथ यह सब देख रहा है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान को अपने आस्तीन में पालने वाले देश भी भलीभांति जान ले कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है सबसे पहले वही उस गड्ढे में गिरता है। ऐसा ही हाल उन देशों का हो रहा है जो अपने महान देश बनाने के चक्कर में शांति के लिये भी खतरा बनते जा रहे हैं।

ऐसे पाकिस्तान देश कितने दिनों के हैं। जब दूसरे पर बम फोड रहे हैं तो दूसरा देश बदला तो लेगा ही। कहने का आशय है कि जो देश गरीबी में जी हरा है। वह अपने को विकास करने की जगह अपने को आग की भट्टी में झोंक रहा है।

भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा कर कहा है कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दशार्ता है। यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

पाकिस्तान को स्वयं अपने अंदर झांकना चाहिए। १९४७ से भारत से अलगहोकर पता नहीं क्यों अपने अंदर इतनी नफरत पाल ली है कि उसमें से वह निकलना नहीं चाहता ? दो भाई जब अलग होते हैं जो कि एक सामान्य सी प्रक्रिया है। हालांकि अलग होने में दर्द बहुत होता है लेकिन विस्तार के लिए यानी पाकिस्तान का जिसके लिए निर्माण हुआ वह १९४७ के बाद से आज तक दिखा नहीं? पाकिस्तान को भारत को कमजोर करने के लिए कुछ विदेशी ताकतें पोश रही है लेकिन भारत पूर्व में भी अपनी शांति का परिचय देता आया है लेकिन जब जब जरूरत पड़ी तब तब अदम्य साहस विकसितता का परिचय देता आया है।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में आत्मघाती हमलों में कई लोगों की मौत

एबूजा, एजेंसी। आपातकालीन सेवाओं ने न्यूज एजेंसी एपी को जानकारी दी कि सोमवार रात पूर्वोत्तर नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में कम से कम तीन जगहों पर आत्मघाती हमलावरों ने हमला किया। इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। उन्होंने संभावित आत्मघाती बम विस्फोटों का हवाला दिया। बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में तीन अलग-अलग स्थानों पर विस्फोटों की आवाजें सुनी गई, जहां नाइजीरिया के स्थानीय जिहादी समूह बोको हरम ने एक दशक से अधिक समय से विद्रोह छेड़ रखा है। मैदुगुरी में नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) के संचालन प्रमुख सिराजू अब्दुल्लाही के अनुसार, ये बम विस्फोट एक स्थानीय बाजार और मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर हुए।

अमेरिकी के साथ युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के गुआम स्थित एंडरसन एयरफोर्स बेस पर बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास सी ड्रैगन 2026 शुरू हो गया है। पनडुब्बी-रोधी अभ्यास में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान व न्यूजीलैंड के साथ भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान शामिल है। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शत्रु पनडुब्बियों को ट्रैक करने और नष्ट करने की साझा दक्षता बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान सबसे सटीक प्रदर्शन करने वाले देश को ड्रैगन बेल्ट पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2025 में यह खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया में रणनीतिक संकट की चुनौती है।

नैरोबी में एक इमारत ढहाने के दौरान कम से कम 4 लोगों की मौत

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में सोमवार को एक नियोजित विध्वंस के दौरान एक इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेना और अन्य संस्थानों के बचावकर्मी मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने के लिए काम कर रहे थे। तस्वीरों में पीड़ितों को स्ट्रेचर पर मलबे से बाहर ले जाते हुए दिखाया गया। बयान में कहा गया है कि यह इमारत उन कई इमारतों में से एक थी, जिन्हें नैरोबी नदी पुनर्निर्माण परियोजना के तहत हटाने के लिए चिह्नित किया गया था।

आईसीई की हिरासत में एक अफगानिस्तानी व्यक्ति की मौत, अमेरिकी सेना के साथ करता था काम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक अफगान अप्रवासी की अस्पताल में आव्रजन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई। मृतक के परिवार ने कहा कि उसे अमेरिकी सेना के साथ वर्षों तक काम करने के बाद उसके गृह देश से निकाला गया था। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने मोहम्मद नजीर पक्त्यावल को अपराधी बताया, जिसे कथित तौर पर खाद्य स्टाम्प के धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग और चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने यह भी कहा कि पक्त्यावल ने अपनी सैन्य सेवा का कोई रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया था।

ब्राजील : फलस्तीन समर्थक स्थानीय लोगों से भिड़े तीन इस्राइली पर्यटक, पुलिस ने किया रिहा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील पुलिस ने सोमवार को तीन इस्राइली पर्यटकों को रिहा कर दिया, जो इस सप्ताहांत देश के उत्तरपूर्वी हिस्से में स्थित एक समुद्रतटीय शहर के फलस्तीन समर्थक निवासियों के साथ हुई झड़प में शामिल थे। बाहिया राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा कि 21 से 22 वर्ष की आयु के तीन पुरुषों ने अधिकारियों का अपमान किया और गिरफ्तारी का विरोध किया। इटाकारे 30,000 निवासियों का एक शहर है जो पूर्व इस्राइली सैनिकों के लिए एक पर्यटन स्थल बन गया है।

नेतन्याहू ने ईरान के लोगों को बहादुर बताया

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों पर विराम लगाते हुए ईरान की जनता के लिए एक खास संदेश जारी किया है। उन्होंने ईरान के आने वाले त्योहारों और फारसी नए साल नवरोज के लिए वहां के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध जारी है। नेतन्याहू ने ईरान के नागरिकों को बहादुर लोग कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मैं हर साल की तरह इस बार भी आपको त्योहारों की बधाई देता हूं।

ईरान से जंग में बुरे फंसे ट्रंप, अब युद्धविराम की लगा रहे गुहार, तेहरान ने निकाल दी हेकड़ी

तेहरान (एजेंसी)। । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से पंगा लेकर खुद के पैर में कुल्हाड़ी मार ली है। इस जंग में अमेरिकी बुरी तरह फंस गया है। ट्रंप की देश दुनिया में निंदा हो रही है। अब उनसे हालात ये हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान के शीर्ष नेतृत्व की ओर से विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। एक ओर राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक मंचों पर यह कह रहे हैं कि ईरान की सैन्य ताकत लगभग ध्वस्त हो चुकी है और तेहरान के नेता बातचीत के लिए बेताब हैं, वहीं जमीनी हकीकत और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स कुछ और ही इशारा कर रही हैं। ट्रंप का दावा है कि ईरान के लोग और वहां का नेतृत्व वार्ता की मेज पर आने के लिए गुहार लगा रहे हैं, लेकिन पर्दे के पीछे की खबरें बताती हैं कि तेहरान ने अमेरिका के साथ सीधे संवाद के रास्ते फिलहाल पूरी तरह बंद कर रखे हैं।

सैन्य मोर्चे पर ट्रंप और अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को 90 से 95 प्रतिशत तक खत्म कर दिया है। इसके विपरीत, इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमले अब भी जारी हैं। इस युद्ध का सबसे गंभीर असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की रणनीतिक बढ़त ने तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल ला दिया है। अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन बनाने की कोशिशों को भी झटका लगा है, क्योंकि जर्मनी जैसे कई यूरोपीय देशों ने इस युद्ध को नाटो का हिस्सा मानने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका बोला- बात कर लो, ईरान ने कहा अभी नहीं

रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप के बेहद करीबी और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पिछले सप्ताह ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बातचीत की संभावनाओं पर चर्चा के लिए संदेश भेजे थे। हालांकि, ईरान की ओर से इन संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया गया। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के फैसले के कारण इन संदेशों को नजरअंदाज किया गया है। ईरानी नेतृत्व का मानना है कि फिलहाल अमेरिका से किसी भी तरह की सीधी बातचीत अभी मुमकिन नहीं है और युद्धविराम का अंतिम फैसला पूरी तरह से सर्वोच्च नेता के विवेक पर निर्भर है।

ईरान ने कहा- हमने कभी युद्धविराम की पहल नहीं की

इस बीच, बयानों की इस जंग में अमेरिकी अधिकारियों ने एक अलग कहानी पेश की है। उनका दावा है कि वास्तव में ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने ही बातचीत की पहल की थी। हालांकि, अरागची ने इन दावों को सोशल मीडिया पर सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर गलत जानकारी फैलाकर तेल बाजार और वैश्विक जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। अरागची ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही बातचीत की पहल की है; वह अपनी रक्षा के लिए तब तक लड़ता रहेगा जब तक जरूरत महसूस होगी। ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि अमेरिका अब इस युद्ध से निकलने का सुरक्षित रास्ता तलाश रहा है।

श्रीलंका में ईंधन बचाने के लिए कड़े नियम लागू, अब हफ्ते में चार दिन ही काम

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की सरकार ने देश में काम के दिनों को घटाकर हफ्ते में केवल चार दिन करने का फैसला लिया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के लंबे समय तक चलने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सरकार का मुख्य मकसद देश में मौजूद ईंधन (फ्यूल) के सीमित भंडार को बचाना है।

क्यों लिया गया ये फैसला : दरअसल, अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। शांति के समय में दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत निर्यात इसी समुद्री रास्ते से होता है। युद्ध अब अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और इस रास्ते के बंद होने से तेल की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है।

क्या बोले अधिकारी : आवश्यक सेवाओं के कमिश्नर-जनरल प्रभात चंद्रकीर्ति ने सोमवार को बताया कि बुधवार से सभी सरकारी संस्थान हफ्ते में केवल चार दिन ही काम करेंगे। यह नया नियम स्कूलों और यूनिवर्सिटी पर भी लागू होगा और अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की अध्यक्षता में हुई एक आपात बैठक के बाद सरकार ने निजी क्षेत्र से भी अनुरोध किया है कि वे हर बुधवार को छुट्टी घोषित करें।

राष्ट्रपति ने दिया निर्देश : राष्ट्रपति दिसानायके ने अधिकारियों से कहा कि हमें सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अस्पताल,

बंदरगाह और इमरजेंसी सेवाएं पहले की तरह सामान्य रूप से चलती रहेंगी। सरकार ने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों और समारोहों पर भी रोक लगा दी है। सरकारी कर्मचारियों से कहा गया है कि जहां तक संभव हो, वे ईंधन बचाने के लिए घर से ही काम करें। श्रीलंका अपनी जरूरत का सारा तेल और बिजली बनाने के लिए कोयला दूसरे देशों से खरीदता है। देश में रविवार से ही तेल की राशनिंग शुरू कर दी गई है। अब आम वाहन मालिकों को एक हफ्ते में सिर्फ 15 लीटर पेट्रोल या डीजल ही मिल सकेगा। वहीं, बस और अन्य सार्वजनिक वाहनों के लिए 200 लीटर की सीमा तय की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, देश के पास अभी लगभग छह हफ्ते का तेल बचा है, लेकिन अगर नई सप्लाई नहीं आई तो हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं। श्रीलंका सरकार को डर है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से उसकी अर्थव्यवस्था फिर से पटरी से उतर सकती है। साल 2022 में श्रीलंका आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया था और वह अपना विदेशी कर्ज नहीं चुका पाया था। फिलहाल देश आईएमएफ से मिले 2.9 अरब डॉलर के पैकेज की मदद से संभलने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका अब क्यूबा पर हमले की कर रहा तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने और ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का युद्धोन्माद अभी भी खत्म नहीं हुआ है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने वामपंथी देश क्यूबा पर भी हमले की अपनी योजना सार्वजनिक की। दरअसल अमेरिका द्वारा क्यूबा की नाकेबंदी की गई है, जिसके चलते वहां तेल नहीं पहुंच पा रहा है और इस कारण क्यूबा में पावर ग्रिड बुरी तरह से बाधित है और बिजली आपूर्ति बाधित है और क्यूबा का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में है।

ट्रंप ने क्यूबा पर हमले को लेकर क्या कहा : ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा पर कब्जे का सम्मान मैं ही लूंगा और क्यूबा पर कब्जा करना या उसे आजाद कराना, ये एक बड़ा सम्मान होगा।' ट्रंप ने कहा 'मैं क्यूबा को आजाद भी करा सकता हूं और उस पर कब्जा भी कर सकता हूं। मैं इसके साथ जो चाहूं वो कर सकता हूं। क्यूबा अभी बहुत कमजोर स्थिति में है।'

क्यूबा पर अमेरिका ने बनाया आर्थिक दबाव : ट्रंप प्रशासन द्वारा क्यूबा पर आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है ताकि क्यूबा को आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भर बनाया जा सके। बीते 67 वर्षों के अपने एकदलीय शासन में क्यूबा पहली बार भारी दबाव में लग रहा है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन क्यूबा के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। क्यूबा संकट की शुरुआत इसी साल 3 जनवरी से हुई, जब क्यूबा के सहयोगी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका ने सत्ता से बेदखल कर दिया। अमेरिका ने हमला कर मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अमेरिका ने क्यूबा की भी नाकेबंदी कर दी, जिससे क्यूबा में तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा था कि क्यूबा अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। यह समझौता ईरान युद्ध के बाद हो सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर, इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई।

वे एक बेहतरीन इंसान हैं : ट्रंप ने कहा, 'सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है।

इलाज के दौरान भी काम कर रही : ट्रंप ने कहा, 'उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी। ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, 'उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।'' ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, 'सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें।' व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने वाइल्स की नेतृत्व क्षमता और व्यक्तिगत गुणों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सुसी वाइल्स यह दिखाती हैं कि एक मजबूत नेता क्या होती हैं। वे सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है।

मेरे और राष्ट्रपति के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं?', पश्चिम एशिया को लेकर वेंस का चौंकाने वाला बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से जब उनके पश्चिम एशिया को लेकर पूर्व के बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा कि क्या आप मेरे और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं? जेडी वेंस ने कहा कि पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिकी प्रशासन के सभी सदस्य एकमत हैं और उन्हें राष्ट्रपति पर पूरा भरोसा है कि वे ईरान मामले को खत्म करेंगे।

जेडी वेंस ने क्या कहा : व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए जेडी वेंस से उनके पश्चिम एशिया को लेकर पिछले बयानों पर सवाल किया गया। जिस पर वेंस ने इन सवालों को टालते हुए कहा, 'आप प्रशासन के सदस्यों के बीच, मेरे और राष्ट्रपति के बीच फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति कहते रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और मैं उनसे सहमत हूं।'

वेंस ने कहा 'हमारे पास एक बुद्धिमान राष्ट्रपति हैं, जबकि पूर्व में हमारे पास मूर्ख राष्ट्रपति रहे हैं। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप पर भरोसा है कि वे काम को पूरा करेंगे, अमेरिकी लोगों के लिए अच्छा काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पूर्व की गलतियां दोहराई न जाएं।

पूर्व के बयानों में ईरान के साथ युद्ध को गलत बताया था दरअसल जेडी वेंस ने अपने पूर्व के कई बयानों में कहा है कि अमेरिका को विदेशी संघर्षों में शामिल नहीं होने से बचना चाहिए। साथ ही साल 2023 में एक अखबार के संपादकीय में भी वेंस ने लिखा था कि ट्रंप इसलिए भी सफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिका को युद्धों में नहीं शामिल किया। साल 2024 में भी वेंस ने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध अमेरिका के हित में नहीं है और यह संसाधनों को नुकसान पहुंचाने जैसा है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने बताया कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में सात देशों में अमेरिका के 200 के करीब सैनिक घायल हुए हैं। अब तक इस अभियान में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। समय के साथ मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव पर चिंता, प्रवासी नागरिकों से बोलीं नेपाल की पीएम- देश में करें निवेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दुनिया भर में रह रहे प्रवासी नेपालियों से एकजुट होने और देश की आर्थिक समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। काठमांडू में आयोजित गैर-आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) के 12वें वैश्विक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय आम सभा के समापन पर उन्होंने यह बात कही।

क्या बोलीं निवर्तमान प्रधानमंत्री : सुशीला कार्की ने सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अकेले देश के विकास के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेपाल की प्रगति के लिए देश और विदेश में रहने वाले सभी नेपालियों का सहयोग, निवेश, ज्ञान और नए विचार (नवाचार) बहुत जरूरी हैं। 'हमारी एकता, समृद्धि का आधार' विषय के तहत आयोजित इस तीन-दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से नेपाली प्रवासियों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि और सदस्य एक साथ आए। एनआरएनए लगभग 80 लाख प्रवासी नेपालियों का एक बड़ा संगठन है। सम्मेलन के अंत में एक 12 सूत्रीय घोषणापत्र भी जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी नागरिकों को नेपाल में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास में भी मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया संकट पर जताई चिंता : सम्मेलन में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी गहरी चिंता जताई गई। 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव फैल गया है। एनआरएनए ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वे पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे नेपालियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। संगठन ने संकट के समय में वहां फंसे नेपालियों को राहत पहुंचाने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

नीतिगत माहौल बनाने की अपील की : प्रवासी समुदाय ने नेपाल सरकार से निवेश के लिए बेहतर कानूनी और नीतिगत माहौल बनाने की मांग की है। उन्होंने नागरिकता, विदेशी निवेश, आयकर और संपत्ति के लेन-देन से जुड़े कानूनों में बदलाव का सुझाव दिया है। संगठन ने जलविद्युत (हाइड्रोपावर), कृषि, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित उद्योगों को निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है।

पाकिस्तान सरकार इमरान खान से उनके बेटों सुलेमान और कासिम की मुलाकात रोक रही : जेमिमा गोल्डस्मिथ

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दखल देने की अपील की है। दरअसल, जेमिमा के दो बेटे, सुलेमान खान और कासिम खान, दो महीने से ज्यादा समय पहले आवेदन करने के बावजूद अपने पिता इमरान खान से मिलने के लिए वीजा नहीं ले पा रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक डिटेल्ड पोस्ट में, जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि उनके बेटों ने जनवरी में अपने वीजा एप्लीकेशन जमा किए थे, फिर भी पाकिस्तान कॉन्सुलेट ने उन्हें प्रोसेस नहीं किया, जबकि ऑनलाइन वीजा के लिए आधिकारिक टाइमलाइन 7 से 10 वर्किंग डेज बताई गई है। जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि यह देरी खास तौर पर परेशान करने वाली थी क्योंकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और प्रधानमंत्री के प्रवक्ता, मुशर्रफ जैदी, दोनों ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया को सार्वजनिक तौर पर भरोसा दिलाया था कि इमरान खान के बेटे चार साल बाद सुरक्षित रूप से पाकिस्तान जा पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि लड़कों को अपने पिता से फोन पर बात करने या उन्हें चिट्ठी भेजने की इजाजत नहीं दी गई है और 2022 के बाद से, जब वह एक हत्या की कोशिश में बच गए थे, तब से उन्होंने उन्हें नहीं देखा है।

अपनी अपील में, गोल्डस्मिथ ने कहा कि इमरान खान की बिगड़ती सेहत की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से 'जितनी जल्दी हो सके' पीटीआई चीफ से मिलने की इजाजत देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लंबी चुप्पी ने परिवार को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जबकि बार-बार भरोसा दिलाया गया था कि इमरान खान के बेटों पर कोई रोक नहीं लगाई जाएगी। इस मुद्दे ने इमरान खान के समर्थकों और मानवाधिकार समूहों के बीच उनकी हिरासत की शर्तों और उनके परिवार और लीगल टीम के साथ बातचीत पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर बढ़ती चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

इमरान खान 2023 से जेल में हैं; उन्हें कई मामलों में दोषी ठहराया गया है, जिसमें भ्रष्टाचार और क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स को संभालने से जुड़े आरोप शामिल हैं। उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), ने बार-बार दावा किया है कि ये मामले राजनीति से प्रेरित हैं और उनका मकसद खान को राजनीतिक माहौल से हटाना है। जेल जाने के बाद से इमरान खान के परिवार के सदस्यों, जिसमें विदेश में रहने वाले उनके बेटे भी शामिल हैं, को उनसे मिलने की इजाजत लेने में बहुत मुश्किल हो रही है। उनके वकीलों ने भी नियमित तौर पर इमरान से मिलने में मुश्किलों की बात कही है और आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने इस बात पर कड़े कंट्रोल लगा दिए हैं कि उनसे कौन और कब मिल सकता है।

इन पाबंदियों की वजह से इंटरनेशनल जानकारों ने उनकी आलोचना की है, जिनका कहना है कि इमरान खान की हिरासत के मामले में पारदर्शिता की कमी दिखाई देती है और यह हिरासत में लिए गए लोगों को मिलने वाले मूलभूत अधिकारों को पूरा करने में नाकाम है।

फंडा यूनिसैक्स फैशन का

पहले समय में महिलाओं और पुरूषों के पहनावे में स्पष्ट अंतर था। पहनावे के कारण पीछे से भी पता चल जाता था कि पुरूष है या स्त्री। समय बदलने के साथ धीरे-धीरे इनके पहनावे, आभूषणों में भी समानता आने लगी। अब बहुत-सी चीजें ऐसी हैं जिन्हें दोनों धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं। इन चीजों को यूनिसैक्स आइटम्स कहा जाता है जैसे-

स्टोल:- स्टोल गले में डालने वाला कुछ समय पूर्व का ट्रैंड जिन्हें फार्मल और कैजुअल वीयर में प्रयोग किया जाता है। कैजुअल और फार्मल स्टोल लड़के कुत्ते-पायजामे, पाजामी के साथ प्रयोग में लाते हैं और लड़कियां जींस-कुर्त्ती और पाजामी-कुर्त्ते के साथ इनका प्रयोग करती हैं।

सॉक्स :- आजकल बाजार में ऐसी सॉक्स आ रही हैं जिन्हें लड़के और लड़कियां दोनों प्रयोग में ला रहे हैं। एंकल लैंथ और उनसे ऊपर की लैंथ वाली।

स्लीपर्स और स्पोर्ट्स शूज :- फ्लोटर्स, कोल्हापुरी चप्पल, जूतियां और स्पोर्ट्स शूज वगैरह में तमाम स्टाइल दोनों को ध्यान में रख कर तैयार किए जा रहे हैं।

ब्रेसलैट्स और बैंड्स :- हाथों में पहनने वाले चौड़े बैंड्स आजकल दोनों में पापुलर हैं और ब्रेसलैट्स भी दोनों जैंडर्स में पॉपुलर हैं।

स्कार्फ और मफलर :- लड़कियां अक्सर स्कार्फ स्कूटर, बाइक पर जाते समय बालों को सुरक्षित रखने की दृष्टि से सिर पर बांधती हैं या सर्दियों के मौसम में कानों को ठंडी हवा से बचाने के लिए। वहीं लड़के भी सर्दियों में गले को ठंड से बचाने के लिए मफलर का प्रयोग करते हैं और जीन-जैकेट के साथ स्कार्फ भी गले में पहने रखते हैं।

टैटू :- आधुनिक समय का हॉट ट्रैंड है शरीर पर टैटू बनवाना। लड़के-लड़कियां आज के समय में बाजू पर टैटू बनवाना, गर्दन के पीछे या नाभि के पास टैटू बनवाने की होड़ नें लगे रहते हैं। कई लोग तो परमानैंट टैटू भी बनवाते हैं।

टी शर्ट्स :- टी शर्ट्स यूनिसैक्स में पहनने का ट्रैंड नया नहीं है। यह तब से है जबसे लड़कियों ने जींस और ट्राऊजर पहनने शुरू किए थे। आज मार्कीट में बहुत बड़ी रेंज ऐसी टी शर्ट्स की हैं जिन्हें दोनों वर्ग आराम से पहन सकते हैं।

सनग्लासेस :- सनग्लासेस एक्सैसरी आइटम हैं जो दोनों जैंडर्स की खास पसंद हैं।

शॉर्ट कुर्तियां :- शॉर्ट कुर्तियां जींस पर पहनने का ट्रैंड पिछले पांच-छः साल से काफी प्रचलित है विशेषकर श्लोक वाली कुर्तियां दोनों जैंडर्स में काफी पॉपुलर हैं। कालेज ब्वायज और गर्ल्ज की यह खास पसंद हैं।

रिस्ट वॉचेज :- आजकल लड़कियां भी लड़कों की तरह चौड़ी और स्पोर्टी घड़ियां पसंद करती हैं। मार्कीट में विविध स्टाइल की घड़ियां उपलब्ध हैं जिन्हें कोई भी खरीद कर पहन सकता है। बस जो स्लीक घड़ियां हैं उन्हें लड़के पहनना पसंद नहीं करते।

पियर्सिंग :- कान छिदवाना लड़कियों का ही शौक रहा है पर अब लड़के भी कान, नाभि, आईब्रोज, चिन वगैरह छिदवाने लगे हैं। दोनों जैंडर्स को पियर्सिंग का दीवाना आज के युग में देखा जाने लगा है।

नैक पीसेज :- लड़के भी लड़कियों की तरह गले में बड़ा लॉकेट काले धागे या पतली चेन में पहने देखे जाने लगे हैं। ये सब शौक कॉलेज ब्वायज में अधिक होते हैं।

थंब रिंग्स :- थंब रिंग्स पहनना पहले पुरूषों ने प्रारम्भ किया था पर अब लड़कियां भी शौक से थंब रिंग पहनने लगी हैं।

छोटी बालियां :- पहले समय में कानों में बालियां राजा-महाराजा या साहूकार पहनते थे या किसी के घर बहुत लड़कियों के बाद लड़का होता था तो उसके कानों में बालियां डाली जाती थीं पर अब यह ट्रैंड यूनिसैक्स फैशन का फंडा है।

ईयर रिंग्स :- बालियों के अलावा बहुत छोटी ईयर रिंग्स भी आजकल बहुत पॉपुलर हैं विशेषकर एक डायमंड वाले। फर्क इतना है बालियां या ईयर रिंग लड़के एक कान में पहन कर अपना स्टाइल बनाते हैं और लड़कियां दोनों कानों नें।

वॉलेट्स :- लड़कियां हैंड बैग्स में अब वॉलेट्स छोटे आकार का रखने लगी हैं जिनमें कार्ड्स और पैसे दोनों रखती हैं। पहले वॉलेट्स बस लड़कों के पास ही होते थे पर अब वॉलेट्स का प्रयोग दोनों बखूबी करते हैं।

हेयर बैंड :- पिछले कुछ समय से लड़के भी अपने बाल बढ़ाने लगे हैं। बड़े बालों को संभालने के लिए बालों पर हेयर बैंड का प्रयोग करते हैं ताकि बाल आंखों को परेशान न करें। इसी प्रकार पीछे पोनी भी बनाते हैं जिनमें रबड़ बैंड का प्रयोग करते हैं।

... ताकि बेटी हो सर्वगुण सम्पन्न

अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें।

बेटा हो या बेटी, उसके पैदा होते ही माता-पिता जमाने की हर खुशी उसके कदमों में डाल देना चाहते हैं। खासतौर से जब बात हो बेटी की तो उसके लिए उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हालांकि बेटा-बेटी को वे समान रूप से पालते हैं, उन्हें अच्छी शिक्षा और संस्कारों से परिचित कराते हैं परन्तु फिर भी बेटी को शारीरिक और मानसिक तौर पर इस तरह से विभिन्न परिस्थितियों में ढलने को तैयार किया जाता है कि युवा होने के बाद जब वह ब्याह कर अपने ससुराल जाए तो उसे एक नए वातावरण में सामंजस्य बिठाने में मुश्किल न हो। यह भी सच है कि बेटी उन बातों का अनुसरण कर स्वयं को एक बहू, पत्नी और मां के रूप में ढाल कर सबका प्यार और आशीर्वाद प्राप्त करती है और एक सुखद पारिवारिक वातावरण की नींव रखती है।

अपनी बेटी की विवाहित जिंदगी को सुखमय बनाने में अधिक जिम्मेदारी मां की होती है।

- अपनी बेटी को पढ़ा-लिखा कर इस काबिल बनाएं कि समय पड़ने पर वह अपने पति को आर्थिक रूप से सहयोग दे पाए। उसे आगे आने वाली परिस्थितियों के लिए तैयार करें ताकि मानसिक रूप से तत्पर होकर वह कठिन से कठिन स्थिति में निर्णय ले सकने में सक्षम हो सके। मुश्किल समय में संयम रखना व अपने परिवार को संभालने में उसकी मदद करें।
- मायके और ससुराल की दिनचर्या, माहौल और रीति-रिवाजों में जमीन-आसमान का अंतर होता है, अतः यह समझाना जरूरी है कि ससुराल में एक बहू की मर्यादा का वह पूरा ध्यान रखे। अगर वह वहां लोगों से प्यार और सम्मान चाहती है तो उसमें भी अपने ससुराल के पारिवारिक सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के गुण विद्यमान होने चाहिए। वहां बार-बार मायके जाने की जिद करे। वह किसी को भी बिन मांगे सलाह न दे तथा जब भी कुछ बोले सोच-समझ कर ही बोले।
- उसे बताएं कि कैसे सबका दिल जीता जाता है। इसके लिए जरूरी है कि आप एक बेटी की मां होने के नाते स्वयं का व्यवहार भी संयमित रखें क्योंकि कई बार जैसा वह अपने मायके में देखती है वैसा ही वह अपने ससुराल में भी कर सकती है। उसे रिश्तों का महत्व समझाएं। मिल-जुल कर रहने और बड़ों का आदर करने की शिक्षा दें।
- अपनी बेटी को पति-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित होने के बारे में समझाएं। वह जैसे भी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करे तथा उन्हें समझने का प्रयत्न करे। उनसे कोई शिकायत हो तो प्यार से मूड देख कर बात करे। सास-ससुर को मान-सम्मान और ननद व देवर को भाई-बहन जैसा प्यार देकर घर को जोड़ने में विश्वास रखें। उसे ममता के मायने बताएं ताकि जब वह मां बने तो बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी उठा सके।
- अपनी सोच को हमेशा पॉजीटिव रखें और दूसरों की बुराई से दूर रहें। प्रत्येक को प्यार से बुलाएं और सबकी परेशानियों को अपना समझ कर उनका निदान करने की कोशिश करें। एक मां के रूप में आप अपनी बेटी को घर के कामों में भी ट्रेन्ड करें, खासतौर से रसोई-शिक्षा उसके लिए बहुत ही जरूरी है। उसे खाना बनाना आना चाहिए क्योंकि कहते हैं कि प्यार का रास्ता पेट से होकर गुजरता है।

कुल मिला कर अपनी बेटी को सर्वगुण सम्पन्न बनाएं क्योंकि ससुराल में उसकी वाहवाही आपकी मेहनत का फल होगा। आपके दिए गए संस्कारों से वह अपनी गृहस्थी को फलीभूत करेगी तो आपके लिए यह गर्व की बात होगी।

पोटैटो चीज सैंडविच

सामग्री : 2 उबले हुए आलू, 1 शिमला मिर्च, 50 ग्राम कद्दूकस किया हुआ चीज, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून काली मिर्च पाऊडर, ब्राऊन ब्रैड स्लाइस, बटर।

विधि : आलू व शिमला मिर्च को स्लाइस में काट लें। ब्रैड पर बटर लगा कर आलू व शिमला मिर्च की स्लाइस रखें। नमक व काली मिर्च बुरक दें। अब चीज स्लाइस लगाएं। इसी तरह आलू, शिमला मिर्च व चीज स्लाइस की एक लेयर और बनाएं। बटर लगा कर ग्रिल करें। हरी चटनी व सॉस के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2021

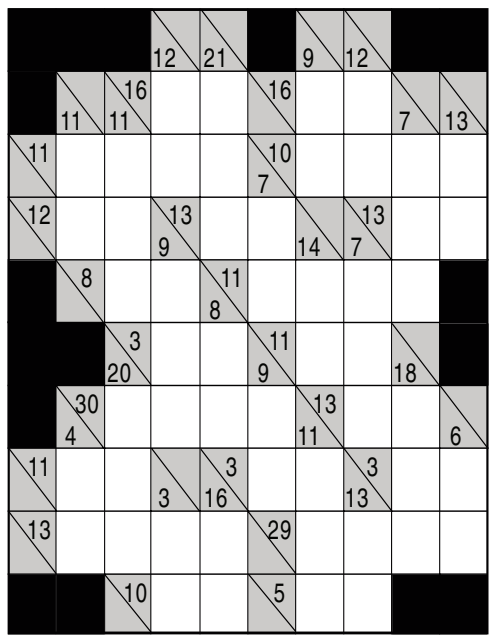

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

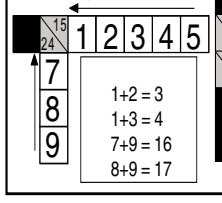

काकुरो - 2020 का हल

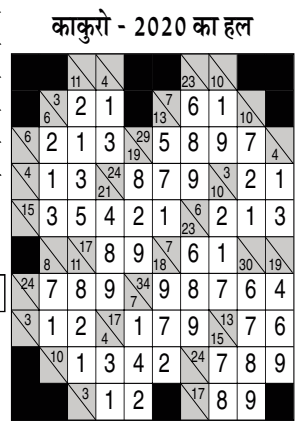

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2021

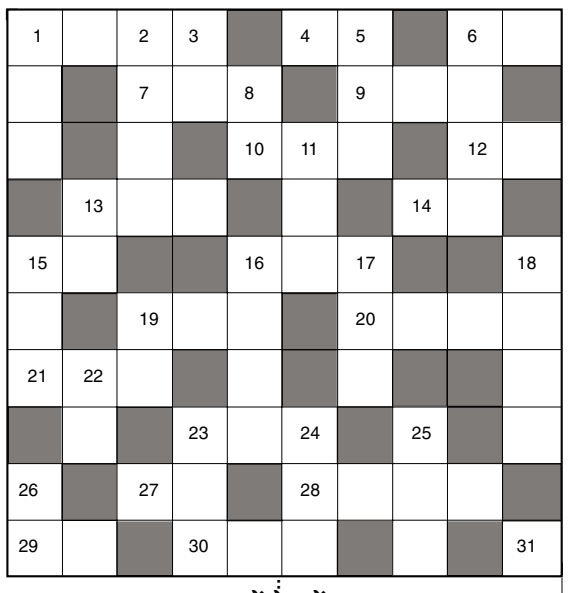

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

घ	गैं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
शा	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			रा	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श

सूडोकु -2021

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2020 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली -2021

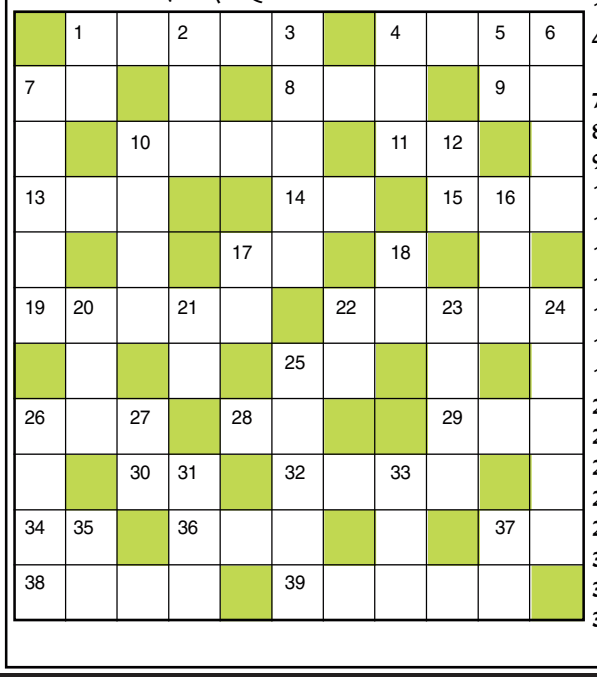

बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा,कारपेट-3
9. किनारा,छोर-2
10. झगड़ा,कहासुनी-4
11. समय,वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र,स्वदेश-2
15. पुत्र,लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र,व्यवहार-2,3
25. जीव,दूत,जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत,जोश,बल-2
29. कराह,टीस,लालसा-3
30. वहम,संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा,घास-2
36. चोंगा,गाऊन-3
37. सफर,जात्रा-2
38. दयालु,कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी,मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला,श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल,पत्ता-2
18. रुखसार,कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़,योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच,नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2020 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु			न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

हिमाचल सरकार का बड़ा फैसलाः कैबिनेट रैंक और भत्तों में कटौती

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने बताया कि सरकार ने विभिन्न प्राधिकरणों, जिनमें बोर्ड, निगम और आयोगों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और उप-अध्यक्ष, साथ ही प्रधान सलाहकार और राजनीतिक सलाहकार शामिल हैं, को वर्तमान में दिए गए 'कैबिनेट रैंक' का दर्जा वापस लेने का निर्णय लिया है। सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह फैसला प्रशासनिक प्रोटोकॉल को सुव्यवस्थित करने की कोशिशों के तहत लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा, संबंधित अधिकारियों की सैलरी और मासिक भत्तों का 20 प्रतिशत हिस्सा 30 सितंबर, 2026 तक रोककर रखा जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि सभी प्रशासनिक सचिवों को इस मामले में तुरंत कार्रवाई करने के लिए जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला में उच्च शिक्षा में सुधारों पर आयोजित एक दिवसीय प्रधानाचार्य सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के बजट में कोई कटौती नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और छात्रों को, यहां तक कि दूर-दराज के इलाकों में भी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

मानवता और सहअस्तित्व भारतीय संस्कृति की पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन संस्कृति के मूल में मानवता, सहअस्तित्व और परस्पर सहयोग का महत्वपूर्ण भाव शामिल है। मानवता, सहअस्तित्व भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि स्काउट और गाइड संगठन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारवान बनाने की दृष्टि से एक आदर्श संगठन है। इस नाते मध्य प्रदेश में इन युवाओं का एक समागम का वैचारिक आयोजन स्थानीय युवाओं के लिए भी प्रेरक है। उन्होंने कहा कि बंगाल की खाड़ी से जुड़े सात राष्ट्रों को सहयोग के सूत्र में बांधने के लिए बिम्सटेक एक महत्वपूर्ण मंच है। युवा राष्ट्र के निर्माण में सहभागी होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार देर शाम अपने निवास स्थित संवाद सभाकक्ष में बिम्सटेक यूथ कल्चरल हेरिटेज एंड सस्टेनेबिलिटी इमर्सन प्रोग्राम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सात देशों के युवा प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभागी देशों भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड के स्काउट गाइड को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए।

मप्र के ग्लोबल स्किल्स पार्क और केंद्रीय कृषि यंत्र प्रशिक्षण संस्थान के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) ने तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण को नई ऊंचाई देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में एसएसआरजीएसपी और केंद्रीय कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुधनी (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर बताया गया कि इस समझौते का उद्देश्य तकनीकी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में कौशल विकास को उद्योग-अनुरूप बनाना, आधुनिक उपकरणों एवं उन्नत तकनीकों से युक्त प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं को सुदृढ़ करना, विशेषज्ञता एवं तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना तथा इंजीनियरिंग एवं कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि यह साझेदारी राज्य में कौशल विकास को पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ाकर प्रौद्योगिकी-सक्षम और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

राज्यसभा ने चर्चा के बाद विनियोग विधेयक 2026 लोक सभा को वापस लौटाया

नई दिल्ली। राज्यसभा ने चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद विनियोग विधेयक 2026 को लोकसभा को वापस लौटा दिया। यह विधेयक वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संचित निधि से 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त राशि खर्च करने के लिए संसद की मंजूरी (अनुपूरक अनुदान मांगें) प्रदान करता है, जिसे पहले लोकसभा ने पारित किया था। राज्यसभा में निर्मला सीतारमण ने विनियोग विधेयक 2026 पर कहा कि देश में अब उर्जा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन में कई सदस्यों ने एलपीजी संकट के बारे में चिंता जताई।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने इस पर पहले ही चर्चा की है। उन्होंने कहा कि कुल एलपीजी का लगभग 65 प्रतिशत आयात होता है, और उस 65 प्रतिशत का लगभग 90 प्रतिशत होरमुज़ जलडमरूमध्य से आता है। इस कारण यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि आपूर्ति मिलेगी या नहीं। लेकिन हम सिर्फ आपूर्ति पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि कठिन हालात में भी हमने अपने पावर सेक्टर को मजबूत किया है, वह एक बड़ा सहारा है। आत्मनिर्भर भारत और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारे पावर सेक्टर के जरिए कई तरीकों से काम कर रही है। 2014 के बाद से हमारी स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता दोगुनी से अधिक हो चुकी है और अब ऊर्जा की कोई कमी नहीं है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका : राज्यपाल बागडे

एजेंसी

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आज के वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। यदि विश्वविद्यालय स्वदेशी सोच और नवाचार को बढ़ावा दें, तो भारत वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। राज्यपाल बागडे उदयपुर में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के डबोक परिसर में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयु) वेस्ट जोन वाइस चांसलर मीट 2025-26 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलगुरू भाग ले रहे हैं। राज्यपाल ने

कहा कि तकनीकी राष्ट्रवाद और आर्थिक देशभक्ति जैसे विचार केवल नारे नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारे जाने वाले संकल्प हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से आह्वान किया कि वे शोध, नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार सृजन की दिशा में सक्षम बनाएं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप भारतीय मूल्यों और आधुनिक तकनीक का समन्वय ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार कर सकता है। समारोह में बागडे ने रामायण के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि हनुमानजी सर्वसमर्थ थे, लेकिन उन्हें अपनी शक्तियों का अहसास जामवन्तजी ने कराया था। आज शिक्षा के क्षेत्र में देश के नामी लोग एकत्र हुए हैं, उनके बीच मैं शिक्षा की कोई बात नहीं करूंगा, मैं तो सिर्फ जामवन्त जी की भूमिका निभा रहा हूं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं के लिए केंद्र बिन्दु सिर्फ विद्यार्थी होना चाहिए। विद्यार्थी को धूरी पर रखते हुए ही योजनाएं और कार्यक्रम तय होने चाहिए, तभी विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमताओं का विकास होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान की परंपरा गौरवशाली रही है। अब नई शिक्षा नीति पुराने वैभव को लौटाने का प्रयास है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास पर जोर देती है।

भरतपुर में खुले भारतीय सिविल अकाउंट सर्विस की राष्ट्रीय अकादमीः सीताराम गुप्ता

एजेंसी

भरतपुर। भरतपुर भारत सरकार द्वारा भारतीय अकाउंट सर्विसेज (आईसीएएस) के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए राजस्थान में खोली जाने वाली राष्ट्रीय अकादमी भरतपुर शहर के समीप मई गुजर गाँव में खोलने का सुझाव समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दिया है। यह स्थान आवागमन, आवास एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों की दृष्टि से अधिक उपयुक्त है। गुप्ता द्वारा लिखे गए पत्र में कहा कि भरतपुर में खोले जाने वाली राष्ट्रीय अकादमी के लिए जिला प्रशासन ने सर्वेक्षण कर ग्राम भवनपुरा (तहसील-भरतपुर) एवं ग्राम खटौटी (तहसील-नदबई) के नाम राज्य सरकार को भेजे हैं। किन्तु इन दोनों स्थलों के मुकाबले ऊँचा नगला के पास स्थित मई गुजर गाँव की भूमि अधिक उपयुक्त है। क्योंकि खटौटी क्षेत्र को औद्योगिक विकास के लिए आरक्षित रखा जाना चाहिए जिससे भविष्य में निवेश, नये उद्योगों की स्थापना व सेवा क्षेत्र विकसित होने से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार भवनपुरा गाँव की भूमि भी इस राष्ट्रीय अकादमी के लिए किसी भी दृष्टि से उपयुक्त नहीं है क्योंकि इस पहुँच मार्ग व रेल यातायात से जुड़ाव ठीक प्रकार से नहीं है। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक द्वारा लिखे पत्र में कहा है इस राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में देश भर के वित्त तथा वित्तीय प्रशासन एवं सार्वजनिक क्षेत्र के प्रबंधकों को गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा! भरतपुर में अकादमी की स्थापना से यह स्थल देश का प्रमुख केंद्र बन जायेगा!

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जेकेके में राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया शुभारम्भ

एजेंसी

जयपुर। कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के अधीन राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर द्वारा 'राजपूताना की रियासतों के ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक महत्व के बहुमूल्य अभिलेख' विषय पर विशेष प्रदर्शनी का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री तथा कला- साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी द्वारा किया गया। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में आमेर के मिर्जा राजा जयसिंह द्वारा पुत्र रामसिंह को लिखे पत्र का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सवाई जयसिंह द्वारा (जयपुर शहर सन् 1727 ई. बसाने के दौरान) लिखे परवाना (लाईसेंस) का भी अवलोकन किया। जिसमें व्यापारियों को व्यापार-वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए व्यापारियों के मुखिया श्री रामकिशन को परवाना भेजा गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर के निदेशक श्री चंद्रसेन सिंह शेखावत ने अवगत कराया कि प्रदर्शनी में वकील रिपोर्ट, हिंदू महासभा कोटपूतली के लिए जयपुर राज्य परिषद् द्वारा पारित रिजोल्यूसन, वकील रिपोर्टस्, खरीते, अर्जदारत, आदेश, परवाना को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में सन् 1885 ई. में जम्मू-कश्मीर के महाराजा के राज्याभिषेक पर उदयपुर महाराजा फतेहसिंह बहादुर जी को भेजा गया खरीता प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार अलवर राज्य परिषद् द्वारा महिला शिक्षा पर विशेष बल संबंधित संकल्प संबंधी (बड़े साहब के आदेश के तहत) आदेश की नकल उक्त प्रदर्शनी में प्रदर्शित है। उक्त अभिलेखों के अतिरिक्त समस्त 19 रियासतों के तत्कालीन नक्शे, राजचिह्न, इनके संस्थापकों और इनकी वंशावली संबंधित फोटो, सन् 1857 ई. की क्रांति (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम) से संबंधित अति महत्वपूर्ण अभिलेख, बीकानेर स्टेट की ऊटों की सेना 'गंगा

रिसाला' संबंधित अभिलेख को भी इसी प्रदर्शनी में दिखाया गया है।

अलवर और भरतपुर राज्य के बीच रूपारेल नदी विवाद को सुलझाने के संबंध में किया गया एग्रीमेंट, झालावाड़ राज्य द्वारा बाल विवाह एक्ट सन् 1927 का के तहत बेमेल विवाह को रोकने संबंधित आदेश, उदयपुर राज्य महाराणा सरूप सिंह जी द्वारा कोटा महाराव को सती प्रथा रोकने प्रदर्शित किया गया है।प्रदर्शनी में डूंगरपुर-बांसवाड़ा राज्यों की पहाड़ी मानगढ़ पर सन् 1913 ई. में गोविन्द गुरू के नेतृत्व में हुए सम्मेलन पर ब्रिट्रिश सरकार द्वारा गोलियाँ चलाकर किया गया नरसंहार संबंधित ऐतिहासिक अभिलेख को प्रदर्शित किया गया।

भवन रहित पशुचिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन का लक्ष्य 75 प्रतिशत पूरा : डॉ. समित शर्मा

एजेंसी

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं गोपालन डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के मार्गदर्शन में सरकार की प्राथमिकता पशुपालकों की आय में वृद्धि, पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना है। बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुरेश मीना, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. प्रवीण सेन, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. संजय कुमार तथा डॉ लक्ष्मण राव सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। संभागों से अतिरिक्त निदेशक, जिलों से संयुक्त निदेशक सहित अन्य पशु चिकित्साधिकारी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक को संबोधित करते हुए शासन सचिव ने कहा कि पशुपालकों और पशुओं के कल्याण के लिए सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र समयबद्ध

एवं पारदर्शी तरीके से अंतिम पशुपालक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरनरी यूनिट, सेक्स सॉर्टेड सीमन तथा अन्य प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए शासन सचिव ने प्रगति की गति बढ़ाते हुए कार्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में नियमित मॉनिटरिंग तथा फील्ड विजिट के माध्यम से वास्तविक स्थिति का आकलन करते हुए बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। 16 मार्च को प्रारंभ हुए एफएमडी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान के संबंध में उन्होंने विभागीय अधिकारियों और पशु चिकित्सकों को निर्देश दिए कि 16 मई तक चलने वाले इस अभियान में टीकाकरण कार्य को पूरी गंभीरता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश का वर्ष 2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025-26 में चलाए गए अभियान के छठे चरण के तहत गौ एवं भैंस वंशीय प्रजाति के कुल 188 लाख पशुओं का टीकाकरण किया गया।

युवाओं को स्किल, स्किल, रिस्किल और अपस्किल होना है : राज्यवर्धन राठौड़

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान युवा शक्ति दिवस 2026 के तहत जयपुर मेंराजस्थान युवा समारोह राज्य स्तरीय कार्यक्रम और मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत ऋण वितरण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सहभागिता की एवं उपस्थित जनों को संबोधित किया। किसी भी देश या प्रदेश के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों का तीसरा दिन प्रदेश की युवा शक्ति को समर्पित रहा।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास को नई गति देने हेतु रुपये485 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसी क्रम में आज 403 स्टार्टअप्स को रुपये 11.45 करोड़ का निधि प्रदान कर युवा उद्यमियों के सपनों को नई दिशा

दी। साथ ही, 9430 युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। आज का युवा ही कल के राजस्थान की पहचान है, और उसकी हर उड़ान को सही मंच देना भाजपा की डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में नया भारत पूरी तरह स्थिर है। केवल राजस्थान प्रदेश के ही युवा पूरे देश में हर चुनौतियों का सामना सीना ठोंक के कर सकते हैं, यही है हमारी पहचान, हमारी ताकत। पूरी दुनिया राजस्थान के युवाओं के लिए रेड कार्पेट बिछा रही है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं की स्किलिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने बताया कि मात्र एक महीने में 30 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो युवाओं के उत्साह और विश्वास को दर्शाता है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार युवाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अपने प्रेरक संदेश में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक वर्ष में एक लाख युवाओं को जोड़ा जाए।

उत्तर प्रदेश में कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, 5813 जगह छापेमारी

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 12 से 17 मार्च तक पूरे प्रदेश में 5813 निरीक्षण और छापेमारी की गई है। इस दौरान एलपीजी वितरकों के खिलाफ 12 एफआईआर दर्ज कराई गई, जबकि कालाबाजारी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के खिलाफ 74 एफआईआर दर्ज हुई हैं। कार्रवाई के दौरान 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 85 व्यक्तियों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई की गई है। यह अभियान लगातार जारी है और स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को सक्रिय रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की इस सख्ती के बीच आपूर्ति व्यवस्था भी नियंत्रण में है। प्रदेश के 4108 एलपीजी गैस वितरकों के यहां बुकिंग के सापेक्ष उपभोक्ताओं को समय पर रिफिल की डिलीवरी सुनिश्चित कराई जा रही है। वितरकों के पास गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकता के अनुसार घरेलू एलपीजी रिफिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वाणिज्यिक सिलेंडरों के लिए भारत सरकार द्वारा कुल खपत के 20 प्रतिशत आवंटन की अनुमति भी दी गई है, जिससे बाजार में संतुलन बनाए रखने में मदद मिल रही है। पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए खाद्यायुक्त कार्यालय में 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां पेट्रोलियम पदार्थों के वितरण से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है और सामने आ रही ।

छत्तीसगढ़ के भारतमाला मुआवजा घोटाला मामले में निलंबित एसडीएम 14 दिन की पुलिस रिमांड पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भारतमाला मुआवजा घोटाला मामले में आज लंबे समय से फरार चल रहे निलंबित एसडीएम निर्भय साहू ने रायपुर की विशेष अदालत (एसीबी/ईओडब्ल्यू) में आत्मसमर्पण कर दिया। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर 30 मार्च तक 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई करते हुए 23.35 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां अटैच की हैं। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने सिंडिकेट के मास्टरमाइंड हरमीत सिंह खनुजा और अन्य आरोपियों से जुड़ी संपत्तियों को कुर्क किया है। हाल ही में फरार तहसीलदार शशिकांत कुर्रे और नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा और एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई है।

विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च एवं गरिमामयी मंच : रणबीर गंगवा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च एवं गरिमामयी मंच है, जहां प्रदेश के जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता, अनुशासन और मर्यादा के साथ विस्तृत चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा कि बजट सत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी सत्र में प्रदेश की आर्थिक दिशा, विकास योजनाएं और नीतिगत फैसले तय किए जाते हैं, जो आमजन के जीवन पर सीधा प्रभाव डालते हैं। गंगवा चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर बरवाला विधानसभा क्षेत्र से आए पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मंत्री रणबीर गंगवा स्वयं भी बरवाला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस अवसर पर पत्रकारों ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही को नजदीक से देखा। उन्होंने प्रश्नकाल, शून्यकाल तथा विभिन्न विभागों से जुड़े विषयों पर होने वाली चर्चाओं का अवलोकन किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझा। इसके साथ ही पत्रकारों ने चंडीगढ़ स्थित विधानसभा भवन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसकी वास्तुकला और निर्माण से जुड़े पहलुओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त

की। उन्होंने जाना कि यह भवन न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि देश की आधुनिक वास्तुकला और लोकतांत्रिक परंपराओं का भी प्रतीक है। पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विधानसभा की कार्यवाही को करीब से देखना उनके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। इससे उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को सदन में उठाते हैं और उनके समाधान के लिए नीतियां बनाई जाती हैं। बाद में पत्रकारों ने मंत्री रणबीर गंगवा से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया तथा जलपान की व्यवस्था की गई। इस दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों, चल रही परियोजनाओं एवं विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति (सेंशन) को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने आश्वस्त किया कि बरवाला विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और आवश्यक परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। मुलाकात के दौरान पत्रकारों को मंत्री रणबीर गंगवा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह पूरा कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व आईजी दलबीर भारती, संजीव गंगवा, मार्केटिंग कमेटी के पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू सहित कई गणमान्य तथा पत्रकार मौजूद थे।

चुनौतियों के बावजूद शिक्षा और स्वास्थ्य बजट में नहीं होगी कोई कटौती : सुखविन्द्र सिंह सुक्खू

एजेंसी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने उच्च शिक्षा में सुधारों पर आयोजित एक दिवसीय प्रधानाचार्य सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के बजट में कोई कटौती नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और दूरदराज क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार करना अत्यंत आवश्यक है ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का पूर्ण आत्मविश्वास और प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। इस दिशा में शिक्षा और शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। उन्होंने विज्ञान, वाणिज्य और ललित कला जैसे विशेष महाविद्यालय खोलने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में 50 बीघा भूमि पर एक विज्ञान कॉलेज स्थापित किया जा रहा है, जिसके लिए सरकार ने 20 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त राज्यभर में वाणिज्य और अन्य विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा में मौजूदा कमियों को

दूर करने के लिए और इस दिशा में सार्थक सुधार लाने के दृष्टिगत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहायक प्राध्यापकों के 400 और जूनियर सहायक प्राध्यापकों के भी 400 पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कॉलेजों में न्यू एज के पाठ्यक्रम और अतिरिक्त भाषा कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए ताकि विद्यार्थियों की रोजगार प्राप्त करने की क्षमता बढ़ सके। महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों की तर्ज पर कॉलेज रैंकिंग प्रणाली भी लागू की गई है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि शिक्षा विभाग का पुनर्गठन करते हुए स्कूल शिक्षा निदेशालय और उच्च शिक्षा निदेशालय की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षक बहुत सक्षम हैं और ये सुधार उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि सीबीएसई स्कूलों की शुरुआत के बाद इनमें छात्रों के दाखिलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अगले दो महीनों में इन स्कूलों में आवश्यकतानुसार सभी शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार के प्रयासों से मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक एमआरआई मशीनें स्थापित की गई हैं और स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से रोबोटिक सर्जरी सुविधा की शुरूआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के पुरानी पेंशन योजना के बहाली के निर्णय के फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने राज्य को मिलने वाला राजस्व घाटा अनुदान बंद कर दिया गया है और 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता भी प्रदान नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि ओपीएस कोई राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि सरकारी कर्मचारी सम्मानजनक तरीके से वृद्धावस्था में जीवन व्यतीत कर सकें इसलिए सामाजिक सुरक्षा देने के लिए लिया गया निर्णय है।

मुफ्त इलाज और 10 लाख की स्वास्थ्य योजना के साथ 'आप' सरकार किसी भी परिवार को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं रहने देगी : भगवंत सिंह मान

एजेंसी

धूरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने धूरी में 50 बिस्तरों की क्षमता वाले सब-डिविजनल अस्पताल और 30 बिस्तरों की क्षमता वाले माता-शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक को लोगों को समर्पित किया। यह परियोजना पंजाब की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और संगरूर जिले में स्वास्थ्य ढांचे को बड़ा बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'यह परियोजना बुनियादी ढांचे को मजबूत कर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और डॉक्टरों व स्टाफ की उपलब्धता को बेहतर बनाकर सुलभ एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था लागू करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे न केवल धूरी शहर बल्कि आसपास के लगभग 70 गांवों के लोगों को भी लाभ मिलेगा, जिससे हजारों लोगों को घर के नजदीक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।' उन्होंने आगे कहा, '21.65 करोड़ रुपये की लागत से बना यह कॉम्प्लेक्स लगभग 73,000 वर्ग फुट में फैला अत्याधुनिक भवन है, जो इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। इसमें ओपीडी, इनडोर इलाज, इमरजेंसी सेवाएं, जांच सुविधाएं और विशेष सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे सेकेंडरी स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। ' स्वास्थ्य सेवाओं के दोहरे ढांचे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '50 बिस्तरों वाला सब-डिविजनल अस्पताल व्यापक सेकेंडरी स्वास्थ्य सेवाएं देगा, जबकि 30 बिस्तरों वाला माता-शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और बच्चों की देखभाल को और मजबूत करेगा। ' मुख्यमंत्री ने बताया, 'यह अस्पताल वर्ष 1978 में 30 बिस्तरों के साथ स्थापित हुआ था, बाद में इसे 50 बिस्तरों तक अपग्रेड किया गया और अब इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस 80 बिस्तरों वाला अस्पताल बना दिया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। ' बुनियादी सुविधाओं के बारे में उन्होंने कहा, 'अस्पताल में 13 ओपीडी कमरे, इमरजेंसी ब्लॉक, दो रजिस्ट्रेशन काउंटर और बड़ी व छोटी सर्जरी के लिए 7 ऑपरेशन थिएटर हैं। इसके अलावा तीन लैबोरेट्री, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अस्पताल में 12 निजी कमरे, 6 जनरल वार्ड, एक पूर्ण रूप से कार्यशील दवा भंडार, एसएमओ कार्यालय, 11 नर्स स्टेशन और 2 लिफ्टें हैं, जो मरीजों की बेहतर देखभाल और कार्यकुशलता को सुनिश्चित करती हैं।' मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा, 'अस्पताल में सर्जिकल सेवाओं के साथ घुटना प्रत्यारोपण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। विशेषज्ञ डॉक्टर, विशेषकर कान-नाक-गला (ईएनटी) के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेंगे।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग: अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम, बुमराह की टॉप-5 में एंट्री

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह रही कि अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर बने हुए हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह बिना मैच खेले ही गेंदबाजों की टॉप-5 में पहुंच गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी जबरदस्त फायदा हुआ है।

बिना खेले टॉप-5 में पहुंचे बुमराह

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद इस फॉर्मेट में कोई मैच नहीं खेला है। इसके बावजूद जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर 702 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के अंक घटने से बुमराह को सीधा फायदा मिला। यह दर्शाता है कि रैंकिंग अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन से भी प्रभावित होती है।

अभिषेक शर्मा का दबदबा बरकरार

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम हैं। उनकी लगातार आक्रामक और प्रभावी बल्लेबाजी उन्हें इस पोजीशन पर बनाए हुए है। यह भारतीय टीम के लिए बड़ी सकारात्मक खबर है। उनका प्रदर्शन भविष्य के टूर्नामेंट्स में भी अहम रहने वाला है।

मेहदी हसन मिराज का शानदार उछाल

बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। 3 मैचों में 5 विकेट लेकर उन्होंने टीम को 2-1 से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के दम पर वह वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गए। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों को मिला फायदा

तंजीद हसन ने 31 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है। इसके अलावा लिटन दास, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। यह बांग्लादेश टीम के शानदार सामूहिक प्रदर्शन का नतीजा है। लगातार अच्छे खेल का असर खिलाड़ियों की रैंकिंग पर साफ दिखा है।

सलमान अली आगा और शाहीन अफरीदी को फायदा

पाकिस्तान के सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑलराउंडर रैंकिंग में भी वह 10वें नंबर पर काबिज हैं। कप्तान शाहीन अफरीदी भी ऑलराउंडर सूची में 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हालिया सीरीज में प्रदर्शन का उन्हें सीधा फायदा मिला है।

मिचेल सेंटनर का शानदार प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टी20 सीरीज में बेहतरीन खेल दिखाया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके प्रदर्शन से उन्हें 11 स्थान का फायदा मिला। अब वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी 7वें स्थान पर काबिज हैं।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला फायदा

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और डेवोन कॉनवे की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे और ओटनील बार्टमैन को भी बड़ा फायदा मिला है। इन खिलाड़ियों ने हालिया मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसका सीधा असर उनकी रैंकिंग पर देखने को मिला है।

आईपीएल के दौरान तनाव कम करने हुक्का पीते हैं धोनी : बिलिंग्स

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते रहे हैं। मैदान पर अपनी शांत कप्तानी के लिए ÷कैप्टन कूल÷ के नाम से लोकप्रिय रहे धोनी निजी जिंदगी में काफी रिजर्व स्वभाव के माने जाते हैं। इसलिए उनके बारे में प्रशंसकों को ज्यादा कुछ नहीं पता चलता है पर अब आईपीएल में सीएसके की ओर से खेले इंग्लैंड के क्रिकेटर सैम बिलिंग्स ने कहा है कि धोनी हुक्का पीने के शौकीन हैं। बिलिंग्स के अनुसार आईपीएल टूर्नामेंट में धोनी होटल के कमरे में हुक्का पीते हैं और टीम के एक खिलाड़ी उनके लिए हुक्का तैयार करता है।

बिलिंग्स के अनुसार ये हुक्का उनक लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद तैयार करते हैं।

उनके अनुसार, आईपीएल के दौरान टीम के अधिकतर खिलाड़ी मैच के बाद होटल के बार में जाकर समय बिताते थे। जिससे की मैच के तानव से उबर सकें। इस दौरान खिलाड़ियों को गपशप का भी अवसर मिल जाता था पर धोनी इससे अलग रहते हुए एकांत में हुक्का पीते थे। वह कभी भी बार में जाते नहीं दिखे।

धोनी के लिए हुक्का सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि टीम को एक-साथ जोड़े रखने का भी तरीका रहा है। बिलिंग्स और कोच माइकल हसी ने कहा कि धोनी का होटल रूम टीम के लिए पूरे समय किसी लाउंज जैसा रहता है, क्योंकि धोनी प्रशंसकों की भीड़ के कारण होटल बार या किसी कैफे में नहीं जा सकते, इसलिए वो अपने रूम को ही अपनी अलग जगह बना लेते थे। बिलिंग्स के अनुसार धोनी को हुक्का पसंद था और वे इसका आनंद अपने कमरे में ही उठाते रहते थे। उनके पास इसके लिए एक अलग स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहता था, जो हुक्के से जुड़ी सभी तैयारियों का ध्यान रखता था। इस हुक्का डिप्लोमेसी के कारण सीएसके आपस में जुड़ी रिती थी।

विराट आईपीएल के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल के 19 सत्र में शामिल होने के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ गये हैं। विराट के यहां पहुंचने के साथ ही आरसीबी के खेमे में उत्साह की लहर फैल गयी। विराट का प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को भी इंतजार था। , बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली इंग्लैंड में थे पर वहां भी वह तैयारी जारी रखे थे। उन्होंने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी की थी जिसे आरसीबी ने भी साझा किया है। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में तेजी आने की उम्मीद है।

आरसीबी को इस सत्र में अपना पहला मैच 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इससे वह खिताब बराकरार रखने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में उसने रजत पाटीदार की कप्तानी में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट की अहम भूमिका रही है। विराट ने पिछले सत्र में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 8 अर्धशतक लगाये थे।

ऐसे में टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह इस बार भी अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलायें।

विराट शुरुआती सत्र से ही आरसीबी से जुड़े हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाते आये हैं। कोहली आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सबसे अधिक रन और शतक हैं। कोहली ने साल 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। वह साल 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं।

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुम्बई : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी।

जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआत में रखा जाएगा। दोनों को एक साथ उतारना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास रोहित शर्मा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं।

डी विलियर्स ने बुमराह को बताया टी20 का महान खिलाड़ी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर रहे एबी डी डीविलियर्स ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टी20 का सबसे महान खिलाड़ी बताया है। डीविलियर्स के अनुसार क्रिस गेल, विराट कोहली और राशिद भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं पर बुमराह की बात ही कुछ और है। डीविलियर्स के अनुसार बुमराह को सबसे आगे बताने का कारण ये है कि हालात कैसे भी हों वह टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं ।डीविलियर्स के अनुसार बुमराह में कई प्रकार की खूबियां हैं । वह नई और पुरानी गेंद, दोनों से प्रभावी गेंदबाजी करते हैं । इसके अलावा दबाव में विकेट लेने की क्षमता, डेथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन, सुपर ओवर जैसे कठिन अवसरों पर मैच जिताने की क्षमता उनमें है। कुल मिलाकर देखो जाये तो आप किसी भी समय गेंद बुमराह को दे सकते हैं, और वह मैच जिता सकते हैं । डीविलियर्स ने अपनी करियर के दौरान आइपीएल सहित दुनिया की कई टी20 लीग खेली हैं । आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने गेल और विराट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया हैं । ऐसे मे उनका बुमराह को सबसे बेहतर बताना काफी महत्व रखना है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकीब जावेद ने भी बुमराह की जमकर प्रशंसा की थी । उन्होंने कहा कि बुमराह का अनोखा एक्शन बल्लेबाजों को लय में नहीं आने देता । इसी दौरान उन्होंने बुमराह की तुलना पाक के युवा स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी । जिसके बाद प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल करते हुए कहा कि बुमराह के सामन तारिक कहीं नहीं हैं । ऐसे में तुलना नहीं हो सकती । आकिब की तुलना को लेकर सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी भी जतायी । उनका कहना था कि इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिये । कई लोगों ने इसे गलत तुलना बताया, कुछ ने बुमराह की क्लास को अलग स्तर का बताया । आम तौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों को ही महान माना जाता है पर जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने बुमराह को महान बताया है, उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी कितनी प्रभावशाली है ।

मियामी ओपन में केटी बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

फ्लोरिडा (अमेरिका) । ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की। बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए।

बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, 'मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी । यह मुश्किल था । मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक' विनर 'शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी ।' बोल्टर गुरुवार को दूसरे राउंड में डेनमार्क की दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी क्लारा टौसन से भिड़ेंगी ।

सीएसके ने फोस्टर को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फोस्टर को टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। फोस्टर टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके जिम्मेदारी टीम के खिलाड़ियों के क्षेत्ररक्षण कौशल को निखारना रहेगा। पिछले सत्र में टीम इस क्षेत्र में कमजोर साबित हुई थी। फोस्टर को कोच के तौर पर लंबा अनुभव है और इसी को देखते हुए सीएसके ने उन्हें जोड़ा है। सीएसके के पास पहले ही कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और एरिक सिमंस जैसे दिग्गज हैं, इसके बाद भी फोस्टर को शामिल करने से साफ है कि टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है।

फोस्टर ने साल 2001 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 23 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। साल 2018 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में काफी अनुभव वह सफलता हासिल की है। हाल ही में उनके मार्गदर्शन में जनवरी 2026 में डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 खिताब जीता था। इसके अलावा वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच भी रहे हैं। फोस्टर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के भी कोच रहे हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ क्षेत्ररक्षण के सहायक कोच रहे हैं। ऋतुराज की कप्तानी में सीएसके अपने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच खेलेगी। शुरुआती मुकाबलों में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उसे खेलना है। पीछले सत्र में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे वहीं इस बार टीम ने कई नये खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलावा किया है जिससे उसे जीत की उम्मीद रहेगी।

भारत थॉमस और उबेर कप में गत चैंपियन चीन के ग्रुप में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला टीम को क्रमशः थॉमस और उबेर कप के लिए मुश्किल ड्रॉ मिले हैं क्योंकि उन्हें 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए बुधवार को मौजूदा चैंपियन चीन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों भारतीय टीम को उनके खिलाड़ियों की व्यक्तिगत विश्व रैंकिंग के आधार पर आठवीं वरीयता दी गई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) ने बुधवार को ड्रॉ की घोषणा की। थॉमस कप 2022 चैंपियन भारत ग्रुप 'ए' से क्वार्टर फाइनल के दो स्थान में से एक अपने नाम करने का प्रबल दावेदार है।

इस ग्रुप में पैन अमेरिका चैंपियन कनाडा और ओसियाना चैंपियन ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। हालांकि भारतीय महिला टीम के लिए नॉकआउट चरण तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है क्योंकि उसे 16 बार की चैंपियन चीन के अलावा, यूरोपीय टीम चैंपियनशिप के उपविजेता डेनमार्क और कांस्य पदक विजेता यूक्रेन के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने ड्रॉ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें ठीक-ठाक ड्रॉ मिला है और थॉमस कप तथा उबेर कप दोनों ही प्रतियोगिताओं में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने का मौका है। हमारी टीम काफी मजबूत है जिसने यह साबित किया है कि अपने दिन पर वह किसी भी शीर्ष टीम को हरा सकती है और एक बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद कुछ भी संभव है।'

भारतीय पुरुष टीम ने थॉमस कप के 2022 सत्र को जीतकर इतिहास रचा था जबकि महिला टीम ने 2014 और 2016 के सत्र में कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम 2024 में हुए पिछले टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में चीन से हार गई थी जबकि महिला टीम भी जापान से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। चीन के पास मजबूत पुरुष टीम है जिसमें शी युकी (दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी) और ली शी फेंग (दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी) के अलावा वेंग होंग यांग (दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी) और लू गुआंग झू (दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी) शामिल हैं।

हालांकि भारत को लक्ष्य सेन की हालिया फॉर्म से आत्मविश्वास मिलेगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इस खिलाड़ी ने इस महीने की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहने के दौरान फेंग को हराया था। भारत ने 2022 में बैंकॉक में अपना पहला थॉमस कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर ट्रॉफी जीतने वाला भारत केवल छठा देश बना था।

भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ पुरुष टीम रैंकिंग में अपनी स्थिति के आधार पर 2026 थॉमस कप के लिए क्वालीफाई किया। महिला टीम ने भी विश्व रैंकिंग के जरिए उबेर कप में अपनी जगह पक्की की। चार-चार टीम के चार ग्रुप में बांटी कुल 16 टीम राउंड रोबिन लीग खेलेंगी जिसमें हर मुकाबले में पांच मैच (तीन एकल और दो युगल) होंगे। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

थॉमस कप ड्रॉ

ग्रुप ए : चीन, भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, **ग्रुप बी :** जापान, मलेशिया, इंग्लैंड, फिनलैंड , **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, डेनमार्क, कोरिया, स्वीडन **ग्रुप डी:** इंडोनेशिया, फ्रांस, थाईलैंड, अल्जीरिया।

उबेर कप ड्रॉ

ग्रुप ए: चीन, भारत, डेनमार्क, यूक्रेन **ग्रुप बी:** जापान, मलेशिया, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया **ग्रुप डी:** कोरिया, थाईलैंड, बुल्गारिया, स्पेन।

दक्षिण कोरिया को हराकर जापान महिला एशियाई कप के फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया से होगा सामना

सिडनी । जापान की महिला फुटबॉल टीम ने बुधवार को यहां दक्षिण कोरिया पर 4-1 की जीत से महिला एशियाई कप के फाइनल में जगह बनाई जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। सेमीफाइनल में जापान का दबदबा रहा जिसमें रिको उएकी और माइका हमानो ने पहले हाफ में गोल करके बढ़त दिलाई। पहले हाफ में आओबा फुजिनो के 43वें मिनट में गोल को वीएआर समीक्षा के बाद अमान्य घोषित कर दिया गया। वरना पहले हाफ का स्कोर 3-0 हो सकता था। 75वें मिनट में अनुभवी डिफेंडर साकी कुमागाई ने मोमोको तानिकावा की कॉर्नर किक पर हेडर से टीम का तीसरा गोल किया। फीफा रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज एशिया की शीर्ष टीम जापान के इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में गोलों की संख्या 27 हो गई है। वहीं जापान की टीम ने इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई गोल खाया जब 78वें मिनट में कांग चे-रिम ने बेहद करीब से जोरदार शॉट लगाते हुए गोल कर दिया। फिर जापान के लिए रेमिना चिबा ने 81वें मिनट में एक जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। अब फाइनल मुकाबला शनिवार को सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन चीन को 2-1 से हराया था।

पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है : पीवी सिंधू

गुरुग्राम (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है। पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने लगा था। उन्होंने कहा, 'मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते।'

सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी।' उन्होंने कहा, 'कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं।'

सिंधू ने कहा, 'सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें।' तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही।

सिंधू ने कहा, 'हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, 'चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं।'

उन्होंने 2015 को याद किया जब उनके बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हो गया था जिससे उनका करियर खत्म होने का खतरा पैदा हो गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। इसके चलते 2016 के ओलंपिक से पहले उनके पास तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा था। इसके बावजूद रियो डि जिनेरियो में हुए उन खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मामला गंभीर था। कई हफ्तों तक दर्द के साथ खेलने के बाद मैं ठीक समय पर डॉक्टर के पास पहुंच पाई। मेरे मन में खुद को लेकर शक पैदा हुआ था कि क्या मैं दोबारा खेल पाऊंगी या नहीं।'

10 जुलाई से शुरु होंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल 1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूर्नामेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

गन मास्टर... में दिखेगा इमरान का सोलो एक्शन अवतार

बॉलीवुड में अपनी इमेज को लगातार रीइंवेंट कर रहे इमरान हाशमी इन दिनों फिल्म 'गन मास्टर G9' को लेकर सुर्खियों में हैं। बोरीवली में चल रही शूटिंग के बीच फिल्म का माहौल सिर्फ एक्शन और स्टाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि सेट पर अपनाई गई एक खास परंपरा ने इंडस्ट्री का ध्यान खींचा है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि 2027 इमरान के करियर का सबसे व्यस्त और अहम साल साबित हो सकता है, जब वे कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के सामने होंगे।

जेनिलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना भी दिखेंगे

निर्देशक आदित्य दत्त ने सेट पर सर्वधर्म प्रार्थना की परंपरा शुरू की है। इस पर उन्होंने कहा... 'मेरी पहली फिल्म से ही सेट पर दिन की शुरुआत गणेश आरती से होती थी, लेकिन 2013 में 'टेबल नंबर 21' के दौरान विचार आया कि क्यों न अन्य धर्मो की प्रार्थनाओं को भी शामिल हो।' फिल्म में जेनिलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना अहम रोल में हैं।

यश राज फिल्म्स में हो सकती है 'आतिश' की वापसी

इमरान ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी इमेज में जो बदलाव किया है, उसका बड़ा फल उन्हें 2027 में मिलने जा रहा है। अगले साल इमरान न केवल सोलो लीड बल्कि बड़ी फ्रेंचाइज फिल्मों का भी हिस्सा होंगे। सूत्रों के अनुसार, यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स में इमरान के 'आतिश' किरदार को मिली प्रतिक्रिया के बाद एक स्टैंडअलोन डार्क थ्रिलर पर विचार चल रहा है। 'टाइगर 3' में उनके नेगेटिव रोल को दर्शकों ने सराहा था, जिसके बाद इस किरदार की बैकस्टोरी पर काम की चर्चा है।

'जन्नत 3' और 'मर्डर 4' के भी बनने की है सुगबुगाहट

वहीं इमरान की हिट फ्रेंचाइज 'जन्नत' के तीसरे भाग पर पेपर वर्क शुरू होने की खबर है, जिसमें इमरान एक बार फिर 'अर्जुन दीक्षित' के रूप में लौट सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि इस बार कहानी सट्टेबाजी की दुनिया के नए और आधुनिक डिजिटल स्वरूप (क्रिप्टो डार्क वेब) पर आधारित होगी। वहीं महेश भट्ट के साथ 'मर्डर' फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने की भी चर्चा है। 2027 के अंत तक 'मर्डर 4' के जरिए इमरान अपनी पुरानी जड़ों की ओर लौट सकते हैं। इमरान एक ओटीटी पर मिलिट्री एक्शन सीरीज में भी दिखेंगे।

अनन्या पांडे ने शेयर की अपने रिलेशनशिप की मुश्किलें

खुद को हमेशा कमतर समझा

अनन्या पांडे ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में पुराने रिलेशनशिप उससे जुड़ी उम्मीदें और अपने निजी जीवन के बारे में काफी कुछ बताया। एक्ट्रेस ने खुद के जीवन जीने के तरीकों में बदलाव की बात भी कही।

एक्ट्रेस ने रिश्तों से मिला दुख किया शेयर

अनन्या पांडे अपने दोस्तों और फैमिली के साथ काफी समय बिताती हैं। हार्पर बाजार इंडिया को दिए अपने इंटरव्यू में अनन्या ने अपने अतीत और निजी जीवन के नजरिए के बारे में काफी कुछ शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे अकेले रहने में काफी परेशानी होती है। वह हर वक्त परिवार और दोस्तों से घिरे रहना पसंद करती हैं। मगर कुछ समय बाद मुझे अकेले रहने का महात्व समझ आया। ऐसा करने से मैंने अपने जीवन में एक बदलाव महसूस किया। मुझे रिश्तों पर दोबारा सोचने का समय मिला।'

खुद को हमेशा कमतर समझा

एक्ट्रेस ने अपनी बातचीत में आगे बताया कि उनके पिछले रिश्ते से उन्होंने काफी सबक लिए। इस रिश्ते ने उनके आत्म-सम्मान पर भी काफी प्रभाव डाला। अकेलेपन के पहले जब वो रिश्ते में थी उन्होंने खुद को हमेशा कमतर समझा। वह हमेशा यह चाहती थी कि सामने वाले की अहमियत उनसे ज्यादा हो। जिस वजह से वह उस व्यक्ति के हिसाब से खुद को बदल लेती थीं। मगर अब वो अपने अंदर एक अलग चेंज लेकर आई हैं।

जल्द रिलीज होगी अनन्या की फिल्म

एक्ट्रेस की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा..' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी नजर आए थे। अब अनन्या की दूसरी फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' रिलीज होगी। 8 मई, 2026 को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

22 मई को रिलीज होगी बॉबी स्टारर फिल्म 'बंदर : मंकी इन अ केज'

बॉबी देओल इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'बंदर : मंकी इन अ केज' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल सितंबर में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों के बीच रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिलीज डेट के ऐलान के साथ एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है। पोस्टर में बॉबी गहन और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म में बॉबी के साथ सान्य मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी भी दिखाई देंगी। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी ने किया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक ऐसे व्यक्ति की भावनात्मक और संघर्षपूर्ण कहानी है, जो समाज की चालबाजी और व्यवस्था के दुरुपयोग के जाल में फंस जाता है।

कृष्णा श्रॉफ ने पलटा शो 'द 50' का गेम

शो 'द 50' का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ। यह शो अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। अब प्रतियोगी शो में बने रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस शो में बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं।

कृष्णा ने पूरा गेम ही बदल दिया

कृष्णा श्रॉफ ने अपनी ही टीम मेंबर आरुषि को शो से बाहर करने के लिए हामी भरी। यह बात आरुषि को बुरी लगी, उसने कृष्णा से सवाल-जवाब किया। इस दौरान कृष्णा ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी सिर्फ 'द 50' शो है, ना कि कोई प्रतियोगी। इस तरह से कहीं ना कहीं कृष्णा ने अपने ही टीम मेंबर को शो में बने रहने के लिए धोखा दिया।

आरुषि को वोट आउट करने से पहले ही कई प्रतियोगी दो दिन पहले ही शो से बाहर हो चुके थे। इस लिस्ट में डांसर सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर मनीषा रानी शामिल हैं। सपना चौधरी इस शो के कारण काफी चर्चा में आईं, उनके बाकी प्रतियोगियों से काफी झगड़े भी हुए।

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

'कल्कि 2' में दीपिका की जगह नजर आएंगी साई पल्लवी

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'कल्कि 2898 AD' साल 2024 में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन ने इसके सीक्वल पर काम भी शुरू कर दिया है। इसका संकेत अमिताभ बच्चन ने अपने एक विडियो में दिया था। पिछले साल 2025 में खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण 'कल्कि 2' का हिस्सा नहीं होंगी। इसके बाद से निर्माता नई एक्ट्रेस की तलाश में थे। अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'फिल्म के लिए साई पल्लवी को फाइनल कर लिया गया है। वह सीक्वल में दीपिका की जगह नजर आएंगी। कास्ट के एक सदस्य ने पुष्टि करते हुए कहा कि दीपिका के बाहर होने के बाद इस किरदार को खत्म करने का सवाल ही नहीं था, इसलिए साई पल्लवी को चुना गया। एक सूत्र के अनुसार... 'दीपिका ने सीक्वल के लिए पहली फिल्म से लगभग 35 प्रतिशत ज्यादा फीस की मांग की थी। उनकी शर्तों पर सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

'धुरंधर' की सफलता के बाद दमदार वापसी के लिए तैयार हैं अर्जुन रामपाल

फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के बाद अर्जुन रामपाल एक बार फिर दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी अगली फिल्म एक अनटाइटल्ड फैमिली ड्रामा है, जिसमें वे सोलो लीड के तौर पर दिखेंगे। फिल्म का मकसद मनोरंजन के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी देना है, जिससे यह फैमिली ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। इस फिल्म की कहानी जीवन की सादगी, अपनी जड़ों से जुड़ाव और उन रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जो वास्तव में मायने रखते हैं। मेकर्स का कहना है कि इसमें घिसे-पिटे मसालेदार फॉर्मूले की जगह भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी दिखाई जाएगी।

यह ऐसी फिल्म होगी, जिसे पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकेगा और जो दर्शकों को अपनी विरासत और अपनों की अहमियत का एहसास कराएगी। इस प्रोजेक्ट के जरिए अर्जुन पहली बार लेखक-निर्देशक शैलेश वर्मा के साथ काम कर रहे हैं।

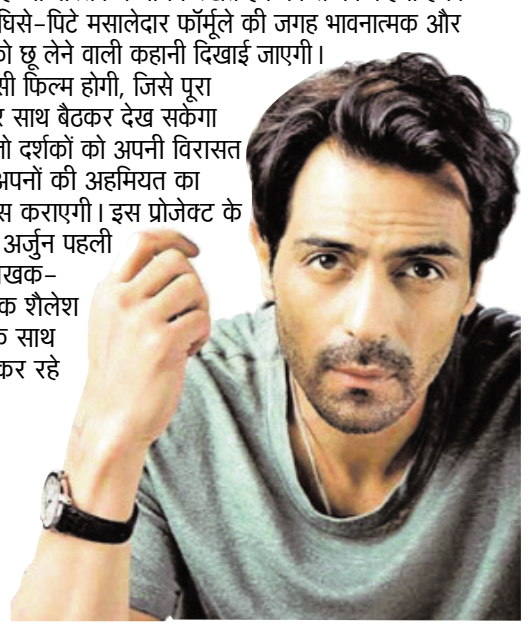

चंबल की लोककथाओं पर बेस्ड होगी 'शक्ति शालिनी'

यशराज फिल्म्स की 'सेयारा' से चर्चा में आई अनीत पड्डा और 'मर्दानी 2' व 'होमबाउंड' से पहचान बना चुके विशाल जेठवा तेजी से बड़े बैनर्स की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अब ये दोनों कलाकर पहली बार मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एक साथ नजर आने वाले हैं।

दिनेश विजन और अमर कौशिक के सुपरहिट यूनिवर्स में अगली पेशकश 'शक्ति शालिनी' होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म अनीत को एक महिला-प्रधान सुपरनैचुरल किरदार में पेश करेगी, जबकि विशाल उनके लव इंटरेस्ट की भूमिका निभाएंगे। हालांकि यह रिश्ता सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगा, चल्कि कहानी को नैतिक गहराई और भावनात्मक आधार भी देगा।

कियारा के हटने के बाद अनीत हुई कास्ट

अक्टूबर 2024 तक इस प्रोजेक्ट से कियारा आडवाणी का नाम जुड़ा था, लेकिन अब फिल्म अनीत के खाते में है। मार्च 2026 से शूटिंग शुरू होने की संभावना है। 'शक्ति शालिनी' को 'मुंज्या' फेम आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे। यह फिल्म चंबल और आस-पास की लोककथाओं पर बेस्ड होगी। जहां 'स्त्री' में रहस्य और 'मुंग्या' में शरारत थी. वहीं इस बार फोकस हाई-ऑक्टेन एक्शन और दैवीय शक्तियों पर होगा। अनीत का किरदार एक ऐसी युवती का है, जिसे धीरे-धीरे अपनी असाधारण शक्तियों का अहसास होता है।

'सलाम वेंकी' में साथ काम कर चुके दोनों

सूत्रों के मुताबिक, विशाल का किरदार कहानी में एक खास बैलेंस लाता दिखेगा। अनीत और विशाल इससे पहले काजोल स्टास 'सलाम बैंकी' में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन वहां दोनों का कम रोल था, लेकिन 'शक्ति शालिनी' में उन्हें पहली बार पूरी स्पेस देगी। विशाल के लिए भी यह ऐसी फिल्म होगी, जहां वह लीड हीरो हैं। इस जोड़ी का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि एक तरफ उभरता स्टारडम है तो दूसरी तरफ मजबूत अभिनय। विशाल का फिल्म में अनीत के साथ रिश्ता सिर्फ रोमांटिक ट्रैक तक सीमित नहीं रहेगा। उनके किरदार से कहानी में एक बैलेंस भी आएगा

कोर्टरूम ड्रामा 'न्याय' का भी हैं हिस्सा अनीत

करियर के इस अहम मोड़ पर भी अनीत अपनी पढ़ाई को भी प्राथमिकता दे रही हैं। वह फिलहाल पॉलिटिकल साइंस के फाइनल में हैं। परीक्षाओं के बाद ही यह शूटिंग जॉइन करेंगी। इसके अलावा वह कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 'न्याय' और मनीष शमां की अनटाइटल्ड रोमांटिक फिल्म में भी दिखेंगी। वहीं विशाल के लिए यक्ति शालिनी एक बड़ा कमरिर्शथिल टर्निंग पॉइंट से सकती है। इंडस्ट्री टेड्स के मुताबिक, विशाल इस साल आर्ट सिनेमा और मास एंटरटेनमेंट दोनों दुनियाओं में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लेवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

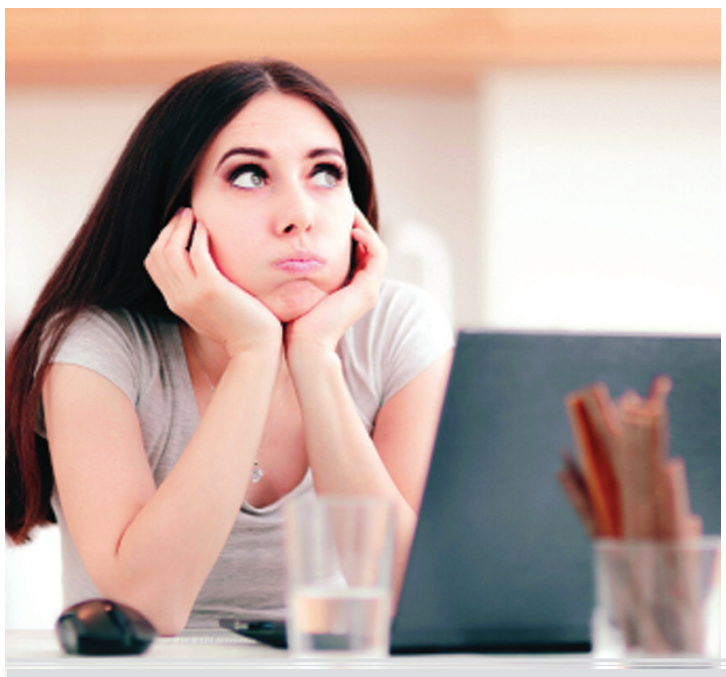

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।